राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,01 जून-2021 वर्ष-4, अंक -128 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

दंतेवाड़ा में मुठभेड़, महिला नक्सली ढेर; 2 लाख का था इनाम

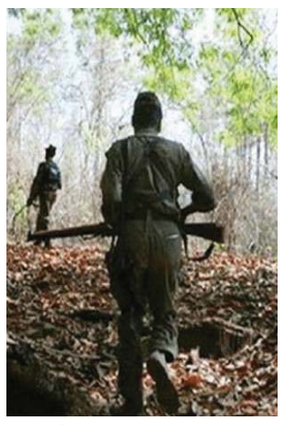

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सोमवार को मुठभेड़ में एक महिला नक्सली मारी गई। इसके सिर पर 2 लाख का इनाम था। यह एनकाउंटर सोमवार सुबह 6.30 बजे गीदम पुलिस स्टेशन के तहत गुमालनर गांव के निकट हुआ जब डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड की ओर से नक्सल विरोधी ऑपरेशन चलाया गया। यह जानकारी पुलिस सुपरिटेंडेंट अभिषेक पल्लव ने दी। मुठभेड़ के बाद जवानों ने मृत महिला नक्सली का शव बरामद किया। घटना स्थल पर जवानों ने 2 हथियार और अन्य सामान बरामद किया है। वहीं इलाके में सर्चिंग अभियान तेज कर दिया है। रायपुर से 400 किमी की दूरी पर मृत नक्सली महिला की पहचान 24 वर्षीय वाइको पेक्को (ङ्कड्डद्बद्मश क्कद्गद्मद्मश) के तौर पर की गई। वाइको पेक्को नक्सली प्लाटून नंबर 16 की सदस्य थी। मृतक नक्सली के शव के साथ भारी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद की गई। इससे पहले छत्तीसगढ़ के सुकमा के सिलगेर गांव में पुलिस कैम्प पर नक्सलियों ने गोलीबारी की और ग्रामीणों के साथ मिलकर पुलिस कैंप को जलाने की कोशिश की थी। इसके अलावा सुरक्षाबल पर पत्थर भी बरसाए थ्ने। ग्रामीणों के बीच छुपे नक्सलियों द्वारा फायरिंग की गई जिसके बाद सुरक्षाबल ने भी फायरिंग की। इसमें तीन ग्रामीणों की जान चली गई थी।

अब चीफ़ सेक्रेटेरी पर ठनी:

मोदी सरकार ने दिल्ली बुलाया, ममता ने पत्र लिखकर तबादले का आदेश वापस लेने का किया आग्रह

नई दिल्ली। केंद्र और बंगाल सरकार के बीच विवाद जारी है। अब चीफ़ सेक्रेटेरी को दिल्ली बुलाये जाने को लेकर दोनों के बीच टकराव बढ़ने की संभावना है। ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि वर्तमान परिस्थिति में उन्हें रिलीव करना संभव नहीं है। साथ ही आग्रह किया है कि उनके तबादले का आदेश वापस ले लिया जाए।

बताते चलें कि ममता बनर्जी की सरकार उन्हें रिलीव नहीं किया है। मुख्य सचिव अलापन बंद्योपाध्याय को केंद्र की तरफ से 31 मई की सुबह 10 बजे तक दिल्ली में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया था। लेकिन राज्य सरकार ने उन्हें अब तक रिलीव नहीं किया है। अलापन बंद्योपाध्याय आज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में होने वाली बैठक में भी हिस्सा लेंगे। उस बैठक में यास चक्रवात और कोरोना महामारी से

जुड़े मुद्दों पर चर्चा होनी है। इधर केंद्र के सख्त रूख को देखते हुए माना जा रहा है कि अलापन को रिलीव न करने पर बंगाल सरकार को केंद्र की तरफ से निर्देश जारी किया जा सकता है।

बताते चलें कि इस मुद्दे पर पूर्व शीर्ष नौकरशाहों और विधि विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्र सरकार के लिए पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव अलापन बंद्योपाध्याय को सेवानिवृत्त होने के दिन दिल्ली बुलाने के अपने आदेश का अनुपालन कराना मुश्किल हो सकता है। क्योंकि राज्य सरकार अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए उन्हें कार्यमुक्त करने से इनकार कर सकती है। उल्लेखनीय है कि केंद्र ने बंद्योपाध्याय को दिल्ली बुलाने का आदेश चक्रवाती तूफान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बैठक को मुख्यमंत्री द्वारा महज 15 मिनट में निपटाने से उत्पन्न विवाद के कुछ घंटों के बाद दिया।

इससे कुछ दिन पहले राज्य में कोविड-19 महामारी से निपटने में मदद के लिए बंद्योपाध्याय का कार्यकाल तीन महीने के लिए बढ़ाने का केंद्रीय आदेश जारी किया गया था। भारत सरकार के पूर्व सचिव जवाहर सरकार ने कहा, ''राज्य सरकार ऐसे तबादलों को नियंत्रित करने वाले अखिल भारतीय सेवा नियमावली को रेखांकित कर विनम्रता से जवाब दे सकती है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र के लिए एकतरफा तरीके से आईएएस या आईपीएस अधिकारी का तबादला करना मुश्किल है, जो उसके नियंत्रण में नहीं है बल्कि संघ के भीतर दूसरे सरकार के अधीन है। अखिल भारतीय सेवा के अधिकरियों की प्रतिनियुक्ति के नियम 6 (1) के तहत किसी राज्य के काडर के अधिकारी की प्रतिनियुक्ति केंद्र या अन्य राज्य या सार्वजनिक उपक्रम में संबंधित राज्य की सहमति से की जा सकती है।

बताते चलें कि ममता बनर्जी की सरकार उन्हें रिलीव नहीं किया है। मुख्य सचिव अलापन बंद्योपाध्याय को केंद्र की तरफ से 31 मई की सुबह 10 बजे तक दिल्ली में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया था। लेकिन राज्य सरकार ने उन्हें अब तक रिलीव नहीं किया है। अलापन बंद्योपाध्याय आज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में होने वाली बैठक में भी हिस्सा लेंगे। उस बैठक में यास चक्रवात और कोरोना महामारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होनी है।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट पर नहीं लगेगी रोक

1 लाख जुर्माने के साथ दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कोरोना महामारी के दौरान सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य पर रोक लगाए जाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत निर्माण कार्य को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। कोविड-19 महामारी के दौरान चल रहे निर्माण कार्य को निलंबित करने की याचिका पर चीफ जस्टिस डी एन पटेल और जस्टिस ज्योति सिंह की पीठ ने फैसला सुनाया।

...तो रोक लगाने का सवाल ही नहीं उठता

हाईकोर्ट ने कहा कि कहा कि वर्कर्स अगर कंस्ट्रक्शन साइट पर ही रह रहे हों तो उस पर रोक लगाने का सवाल ही नहीं उठता। अदालत ने कहा कि यह प्रोजेक्ट राष्ट्रीय महत्ता से जुड़ा बेहद जरूरी प्रोजेक्ट है। इसे अलग रखकरर नहीं देखा सजा सकता। इससे पहले अदालत ने अनुवादक अन्या मल्होत्रा और इतिहासकार और वृत्तचित्र फिल्म निर्माता सोहेल हाशमी की संयुक्त याचिका पर 17 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। दोनों ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि परियोजना एक आवश्यक कार्य नहीं है और इसे कुछ समय के लिए रोका जा सकता है।

लोगों की जान में खतरे का दिया हवाला

दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा गया था कि कोरोना के दौर में किसी भी ऐसे प्रोजेक्ट को आगे बढ़ने की मंजूरी नहीं मिलनी चाहिए। याचिका में दलील दी गई थी की कोरोना महामारी के दौरान एक परियोजना की वजह से कई लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। दूसरी तरफ सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उस याचिका को ही खारिज करने की मांग कर की थी।

याचिकाकर्ता की नीयत पर उठाया था सवाल-मेहता का कहना था कि इस प्रोजेक्ट पर काम करने के दौरान सभी कोरोना प्रोटोकॉल्स का पालन किया जा रहा है। वहीं उन्होंने याचिकाकर्ता की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा था कि जनहित बहुत ही सिलेक्टिव है।

केरल विधानसभा में मुख्यमंत्री ने उठाई आवाज

लक्षद्वीप के विवादित मुद्दे पर केंद्र के दखल की मांग पर लगी मुहर

तिरुअनंतपुर। केरल विधानसभा ने सोमवार को सर्वसम्मति से लक्षद्वीप के प्रशासक को वापस बुलाने और लक्षद्वीप मुद्दे में केंद्र के दखल की मांग का प्रस्ताव पारित कर दिया। केरल विधानसभा में आज मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने लक्षद्वीप के लोगों के प्रति एकजुटता जाहिर की। उन्होंने कहा, 'केंद्र को लक्षद्वीप मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। लोगों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित कराना केंद्र की जिम्मेदारी है।' मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'जनता के हितों को चुनौती देने वाले एडमिनिस्ट्रेटर को हटाना चाहिए। केंद्र को लक्षद्वीप की जनता के सुरक्षा हेतु तुरंत कार्रवाई करना आवश्यक है।' मुख्यमंत्री ने नियम 118 के तहत विधानसभा में रिज्योलूशन पेश किया। विपक्ष की ओर से भी इसके लिए समर्थन जताया गया। इसके तहत लक्षद्वीप की जनता के लिए केंद्र से दखल देने की मांग की गई है। साथ ही लक्षद्वीप प्रशासन और विवादित रिफॉर्म को वापस लेने की भी मांग है। बता दें कि शुक्रवार को केरल

हाईकोर्ट ने लक्षद्वीप के प्रशासक के केंद्र शासित प्रदेश में लक्षद्वीप विकास प्राधिकरण नियमन, 2021 और सामाजिक गतिविधि रोकथाम अधिनियम पेश करने के कदम के खिलाफ दायर याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। पिछले साल दिसंबर में लक्षद्वीप का कमान प्रफुल्ल खोड़ा पटेल को दिया गया। इसके बाद उन्होंने लक्षद्वीप पशु संरक्षण विनियमन, लक्षद्वीप असामाजिक गतिविधियों की रोकथाम विनियमन, लक्षद्वीप विकास प्राधिकरण विनियमन और लक्षद्वीप पंचायत कर्मचारी नियमों में संशोधन के मसौदे लेकर आए। इसमें एंटी-गुंडा एक्ट और दो से अधिक बच्चों वालों को पंचायत चुनाव लड़ने से रोकने का भी प्रावधान है। बता दें कि लक्षद्वीप के प्रशासक पर सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक वास्तविकताओं के साथ गलत तरीके से हस्तक्षेप करने का आरोप है। इसके लिए कांग्रेस की ओर से केरल हाईकोर्ट याचिका दायर की गई जिसमें कहा गया है कि द्वीप की जनता ने भी प्रशासन द्वारा लाए लक्षद्वीप विकास प्राधिकरण नियमन 2021 और लक्षद्वीप विकास प्राधिकरण के निर्माण का विरोध किया है।

एनडीआरएफ के डीजी ने कहा- ऑपरेशन 'यास' के दौरान किसी की मौत नहीं हुई

नई दिल्ली। ताउते चक्रवात ने भारत में कम से कम 193 लोग मारे गए थे, इसमें सबसे बड़ी दुर्घटना बार्ज की थी इसकी वजह से मौतों का आंकड़ा बढ़ गया। इसके तुरंत बाद तूफान यास आया लेकिन पिछली गलती को न दोहराते हुए, केंद्र ने राज्यों के साथ आपदा प्रबंधन स्थापित किया। इसका लक्ष्य था कि चक्रवात यास से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे। एनडीआरएफ के डीजी एस एन प्रधान ने दावा किया कि चक्रवात यास से कोई मौत नहीं हुई। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ ने बंगाल में 15 लाख लोगों से अधिक लोगों को और ओडिशा में कम से कम सात लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि दोनों राज्य चक्रवात के रास्ते में थे, वहीं चक्रवात यास को गंभीर तूफान और खतरनाक बताया गया था। आगे बताया कि यह हमारे लिए एक लिटमस टेस्ट से कम नहीं था। हताहत लोगों की संख्या कम थी, यानि कहें तो चमत्कार से कम नहीं था, वहीं ओडिशा के क्योंझर और मयूरभंज जिलों में दो लोगों की मौत हुई हैं। डीजी प्रधान ने कहा कि छह चक्रवात प्रभावित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में एनडीआरएफ की 106 टीमें लगाई गई थी। पश्चिम बंगाल में 46 टीमें, ओडिशा में 52, झारखंड में आठ और तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में तीन-तीन टीमें साथ ही एक टीम को अंडमान द्वीप समूह में भी तैनात किया गया था। चक्रवात के बाद एक रिपोर्ट के अनुसार, एनडीआरएफ ने ओडिशा में 93 और बंगाल में 873 लोगों को रेस्क्यू किया, जिससे लोगों की जान बच गई। लैंडफॉल के बाद, सैनिकों ने अन्य राहत कार्यों में राज्य प्रशासन और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की मदद करने के अलावा ओडिशा में 634 किमी और बंगाल में 206 किमी सड़कों को साफ किया। चक्रवात ताउते ने महाराष्ट्र और गुजरात में जमकर तबाही मचाई थी। इसके सात दिन के बाद यास आया। ताउते तूफाने में कम से कम 193 लोगों की मौत हो गई थी।

वैक्सीन के लिए पुणे के शख्स ने फाइजर के CEO को लिखी चिट्ठी, मिला यह जवाब

पुणे। 58 वर्षीय मार्केटिंग प्रोफेशनल प्रकाश मीरपुरी ने फाइजर के चेयरमैन और सीईओ अल्बर्ट बौर्ला को एक ईमेल लिखकर पूछा कि कंपनी की कोविड -19 वैक्सीन भारत में कब उपलब्ध होगा। कंपनी की तरफ से उसे जल्द ही जवाब भी मिल गया। 26 मई को अपने ईमेल में, बोरला ने मीरपुरी के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की और अपने परिवार को फाइजर-बायोएनटेक वैक्सीन से टीका लगाने के प्रयास की सराहना की। कंपनी के सीईओ ने भी नियामक मानदंडों के अनुसार भारत में वैक्सीन को जल्द से जल्द मंजूरी देने की इच्छा व्यक्त की है। बौर्ला ने लिखा, हमें अभी तक भारत में नियामकीय मंजूरी नहीं मिली है। हम सरकार के टीकाकरण कार्यक्रम के लिए अपनी वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए सरकार के साथ एक समझौते पर पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, जब पुणे के रहने वाले मीरपुरी से पूछा कि उन्होंने फाइजर के सीईओ को क्यों लिखा तो उन्होंने अपनी कहानी सुनाई। उन्होंने 1 अप्रैल को अपने और अपने परिवार के लिए टीकाकरण के लिए स्लॉट बुक किया था। आपको बता दें कि 18 मार्च को वह कोविड

पॉजिटिव पाए गए थे।

सबसे अच्छी वैक्सीन?

एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। आइसोलेशन के उन दिनों के दौरान, उन्होंने इंटरनेट ब्राउज़ करके और जानकार दोस्तों के संपर्क में रहकर खुद को व्यस्त रखा। अमेरिका के ऐसे ही एक दोस्त अभय ने उनसे बार-बार फाइजर वैक्सीन का टीका लगवाने का अनुरोध किया और कहा कि यह सबसे अच्छा टीका है।आपको बता दें कि अभय की मां व्हाइट हाउस के चिकित्सकों की पैनल सदस्य रही हैं। मीरपुरी ने कहा कि वह टीकों पर उनकी जानकारी को बहुत भरोसेमंद मानते हैं। एक बार जब वह कोरोना से उबर गए तो उन्होंने वैक्सीन बनाने लवाली दुनिया की कंपनियों को पत्र लिखकर पूछा कि क्या वे भारत में कोविड के टीके उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने इन तीन कंपनियों फाइजर, मॉडर्ना और जॉनसन एंड जॉनसन में शेयरधारक बनने का भी फैसला किया। इसके लिए उन्होंने करीब 5 लाख रुपये का निवेश किया। उन्हें यकीन था कि कंपनियां अपने शेयरधारक द्वारा भेजे गए ईमेल का जवाब देंगी।

कोविशील्ड की सिंगल डोज वाली वैक्सीन को मिलेगी मंजूरी? डेटा इकट्ठा कर रही सरकार, जल्द होगी समीक्षा

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ जारी इस जंग को जीतने के लिए पूरे देश में टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। जून महीने में वैक्सीन की प्रयाप्त मात्रा उपलब्ध होने की संभावना है। इस बीच केंद्र सरकार एक नए प्रस्तावित कोविड वैक्सीन ट्रैकर प्लेटफॉर्म से डेटा एकत्र करने के बाद कोविशील्ड खुराक के बीच के अंतराल को बढ़ाने के अपने निर्णय के प्रभाव की समीक्षा करने की योजना बना रही है। सूत्रों ने कहा कि डेटा, सरकार को यह तय करने में भी मदद कर सकता है कि कोविशील्ड के लिए सिंगल खुराक के नियम को मंजूरी दी जाए या नहीं। %द इंडियन एक्सप्रेस% की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने कहा कि नए प्लेटफॉर्म के डेटा का अगस्त के आसपास विश्लेषण किए जाने की उम्मीद है।

आपको बता दें कि कोविशील्ड भारत में उपयोग में आने वाली मुख्य कोविड वैक्सीन है। अब तक देश में 20.89 करोड़ वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी है। इनमें से करीब 90 प्रतिशत कोविशील्ड है। भारत अपने टीकाकरण अभियान में भारत बायोटेक के कोवैक्सिन का भी उपयोग कर रहा है। इसके अलावा रूस के स्पुतनिक वी के आपातकालीन इस्तेमाल की भी मंजूरी दी गई है।

नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन (एनटीएजीआई) के तहत

कोविड वर्किंग ग्रुप के अध्यक्ष डॉ एन के अरोड़ा ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, ÷एक प्लेटफॉर्म बनाया जा रहा है। यहां क्लीनिकल डेटा, वैक्सीन डेटा और समग्र रोग डेटा के तीन सेट का सामंजस्य स्थापित किया जाना है। उसके आधार पर, हम वैक्सीन की प्रभावशीलता, पुन॰ संक्रमण और रुझानों को देखेंगे। अरोड़ा के अनुसार, मार्च-अप्रैल में कोविड के टीकों की प्रभावशीलता का अध्ययन करने की आवश्यकता पर चर्चा शुरू हुई।

उन्होंने कहा, 'इससे यह अंदाजा हो जाएगा कि टीकाकरण के बाद आपको कितने समय तक बीमारी से बचाया जा सकता है। यह हमें टीके की प्रभावशीलता पर खुराक के बीच के अंतराल को बढ़ाने के प्रभाव और अंतराल को बढ़ाने या घटाने के लिए संशोधन की आवश्यकता के बारे में भी बताएगा।' अरोड़ा ने कहा कि डेटा की समीक्षा दो से तीन महीने बाद की जाएगी। समीक्षा का एक अन्य उद्देश्य यह भी समझना है कि क्या एक खुराक प्रभावी है। इससे जुड़े लोगों विकास के करीबी एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, ÷एक तर्क दिया जा रहा है कि अन्य वायरल वेक्टर टीकों में सिंगल डोज संस्करण होते हैं। यह कोविशील्ड के लिए भी काम कर सकता है।

जॉनसन एंड जॉनसन की सिंगल डोज वैक्सीन भी वायरल वेक्टर प्लेटफॉर्म पर आधारित है। जबकि दो-खुराक वाली स्पुतनिक वैक्सीन भी इसी तकनीक के आधार पर सिंगल डोज के रूप में दी जा रही है। प्रभावकारिता रिपोर्ट के आधार पर दो-खुराक वाले टीके के रूप में कैलिब्रेट किए जाने से पहले, एस्ट्राजेनेका वैक्सीन सिंगल खुराक निर्माण के रूप में शुरू हुई थी।

आपको बता दें कि सिंगल डोज वाली वैक्सीन से घनी आबादी को तेजी से कवर करने में मदद मिलेगी। भारत में वैक्सीन की कमी के कारण टीकाकरण की रफ्तार फिलाहल धीमी है। अगर कोविशील्ड के सिंगल डोज को मंजूरी मिलती है तो यह काफी कारगर साबित होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शोध पर जोर

अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति है और सबसे बड़ी सामरिक शक्ति भी। कई सारे क्षेत्र हैं, जिनमें अमेरिका दूसरे बड़े देशों से काफी पिछड़ा हुआ है, खासकर औद्योगिक उत्पादन में, पर एक क्षेत्र है, जो उसे लगातार सबसे आगे बनाए हुए है, और वह है- शोध। अमेरिका लंबे वक्त से वैज्ञानिक और तकनीकी शोध का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है। नतीजतन, जो सबसे आधुनिक और नए क्षेत्र हैं, उनमें उसका बोलबाला है। मसलन, आईटी क्षेत्र और नई अर्थव्यवस्था में वह सबसे आगे है। चाहे माइक्रोसॉफ्ट हो, गूगल हो, फेसबुक-ट्विटर हों, एपल हो या अमेजन, ये सारी अमेरिकी कंपनियां हैं। अमेरिका की इस शक्ति को और बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन ने अब शोध के मद में सरकारी बजट में जबर्दस्त बढ़ोतरी का प्रस्ताव किया है। बाइडन के आर्थिक कार्यक्रम का मुख्य मुद्दा बुनियादी ढांचे के लिए छह लाख करोड़ डॉलर खर्च करना है। इसमें शोध एवं विकास (आरऐंडडी) का बजट नौ प्रतिशत बढ़ाने का प्रस्ताव है। इस प्रस्ताव के तहत शुद्ध विज्ञान और उसके व्यावहारिक पक्ष, दोनों पर खर्च बढ़ाने की बात कही गई है, सिर्फ रक्षा संबंधी आरऐंडडी के मद में कटौती की जाएगी। अमेरिकी इतिहास में यह शोध संबंधी खर्च में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। सबसे ज्यादा पैसा स्वास्थ्य संबंधी शोध पर बढ़ाने का प्रस्ताव है और रोगों के नियंत्रण व रोकथाम संबंधी शोध के लिए 22 प्रतिशत खर्च बढ़ाने का प्रस्ताव है। जाहिर है, कोरोना के कहर से नई अमेरिकी सरकार सबक सीखना चाहती है और आइंदा ऐसे संकटों से अपनी जनता को बचाने के लिए पूरी तैयारी करना चाहती है। इसमें अमेरिका के स्वास्थ्य क्षेत्र को और ज्यादा मजबूत करने के लिए भी प्रावधान है और दुनिया के दूसरे देशों को इस क्षेत्र में मदद करने के लिए भी। स्वास्थ्य में शोध सिर्फ प्रयोगशालाओं में माइक्रोस्कोप से संबंधित शोध नहीं है, स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता में गैर-बराबरी, संस्थागत नस्लवाद मिटाने और पर्यावरण में बदलाव से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं पर शोध भी शामिल हैं। डोनाल्ड ट्रंप जलवायु परिवर्तन को नकारने और पर्यावरण के मुद्दों की उपेक्षा करने में आम अनुदार राजनेताओं से भी बहुत आगे थे। उनके दौर में अमेरिका ने पर्यावरण संबंधी कोई भी जिम्मेदारी स्वीकार करने से मना कर दिया था, बल्कि वह पेरिस जलवायु समझौते से भी हट गया था। पर बाइडन ने अपने चुनाव प्रचार में ही साफ कर दिया था कि पर्यावरण उनकी सरकार की प्राथमिकताओं में होगा। पर्यावरण से जुड़े शोध के लिए भी बजट में बड़ी वृद्धि का प्रस्ताव है। बहुत बड़ी योजना ऐसी टेक्नोलॉजी पर शोध की है, जो पर्यावरण के नजरिये से निरापद हो। अमेरिकी सरकार ने जिस तरह की पहल की है, उससे भारत जैसे देशों को भी सीखना चाहिए। आने वाला वक्त नई चुनौतियां लेकर आएगा और उनसे वही पार पा सकेगा, जिसके पास ज्ञान की शक्ति होगी। वही दूसरों की मदद भी कर पाएगा। अमेरिकी कामयाबी का रहस्य सिर्फ पैसा नहीं है, वह माहौल भी है, जो नए विचारों व शोध को प्रोत्साहित करता है, और जो सिर्फ विज्ञान नहीं, कला, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, ज्ञान के हरेक क्षेत्र में दुनिया भर की प्रतिभाओं को अपनी ओर खींचता है। शोध के फलने-फूलने के वास्ते उर्वर जमीन तैयार करना देश और दुनिया के भविष्य की बेहतरी के लिए अनिवार्य है।

'आज के ट्वीट

गोल्ड मेडल

हरियाणा प्रदेश के भिवानी जिले से छोटी बहन पूजा रानी बोहरा को महिला बॉक्सिंग एशियन चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल First place medal जीतने पर बहुत बहुत बधाईयां

- बबीता फोगाट

सड़ता अनाज सिस्टम की लाचारी या..!!

(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

यह भी किसी खुद बुलाई आपदा से कम है क्या जो देश में हर साल हजारों मीट्रिक टन अनाज खुले आसमान के नीचे बेसमय हुई बारिश के मत्थे मढ़ सड़ा दिया जाए? जलवायु परिवर्तन कहें या प्रकृति से हुई जबरदस्त छेड़छाड़ का परिणाम जो भी, मौसम कब रूठ जाए किसी को पता नहीं। लेकिन देश में अनाज को सुरक्षित रखा जाना कभी किसी की प्राथमिकता में रहा हो, ऐसा भी नहीं लगता! ताउ-ते तूफान के बाद खुले आसमान के नीचे रखे गेहूँ के असमय हुई बारिश से भीगने और नालों, नालियों में तक बह जाने की तबाही भरी तस्वीरें और वीडियो जहां-तहां से देखने को मिलीं। आगे भी तूफान न रुका है, न रुकेगा। हां, आसमान के नीचे भण्डारण का रुक सकता है। सरकारें कदम भी उठाती हैं लेकिन प्रयास जमीनी कम और कागजी ज्यादा होते हैं। तमाम सरकारी योजनाओं, सहायताओं तथा पीपीई यानी पब्लिक, प्राइवेट पार्टनर शिप रूपी हथियार के बावजूद खुले आसमान के नीचे जमीन पर रखा अनाज कभी नमीं तो कभी बारिश से भीग जाए! यह वैसा ही है जैसा जानकर अंजान होना होता है। हम एक कृषि प्रधान देश में रहते हैं। कृषि ही भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। 47 प्रतिशत भू-भाग में लोग खेती करते हैं। देश के 70 प्रतिशत लोग इसी पर निर्भर हैं। हम किसानों से अच्छी फसल की उम्मीद करते हैं जिसमें वह खरा भी उतरता है। लेकिन उसकी मेहनत को सहेजने के लिए फरमानों के दौड़ते कागजी घोडों के बदलते ठिकानों और मुकाम पर पहुंचने से पहले बेमौसम बारिश का शिकार होती उपज का कुसूर किसे दिया जाए? लेकिन अफसोस यह कि कागजी घोड़े तब भी नहीं रुकते हैं। हां, उन रुक्कों में मजमून बदल जाता है। पहले भण्डारित की हुई फसलों की सुरक्षा की कोशिशें थी, अब बेमौसम या अचानक हुई बारिश से हुए नुकसान का हिसाब-किताब लिए दूसरा रुक्का फिर दौड़ने लग जाता है। लालफीताशाही में जकड़े कागजी घोड़े न कभी रुकते हैं न थकते हैं। बस नुकसान का लेखा, बचाने में खर्चों की इजाजत नुकसान का अनुमान भरे कागज अंततः बैलेन्स शीट में जगह पा अगले साल की जुगत में दोबारा एक टेबिल से दूसरी टेबिल में दौड़ना शुरू कर देते हैं। भारत में अवैज्ञानिक तरीकों से भण्डारण का प्रचलन खुद सरकारें करती हैं। खुले आसमान के नीचे कभी बोरों में या कभी यूं ही ढ़ेरों में पड़ा अनाज प्रायः सभी ने देखा है। एक आंकड़ा बताता है कि भारत में वार्षिक भण्डारण हानि लगभग 7000 करोड़ रुपए की होती है जिसमें 14 मिलियन टन खाद्यान्न बर्बाद होता है। अकेले कीटों से करीब 1300 करोड़ रुपए की हानि होती है। विश्व बैंक की एक पुरानी रिपोर्ट बताती है की हमारे यहां 12 से 16 मिलियन टन अनाज भारत के एक तिहाई गरीबों का पेट भर सकता है। कीटों से हुए नुकसान का प्रतिशत 2 से 4.2 प्रतिशत है। इसके बाद चूहों के द्वार खाद्यान्न खाए जाने से 2.50 प्रतिशत, पक्षियों द्वारा 0.85 प्रतिशत तथा नमीं से खराब होने वाले खाद्यान्न का प्रतशत 0.68 है। अकेले हर वर्ष भारत के कुल गेहूं उत्पादन में से क़रीब 2 करोड़ टन गेहूं किसी न किसी तरह नष्ट हो जाता है। एक अध्ययन के अनुसार देश में करीब 93 हजार करोड़ रुपयों के अनाज की बर्बादी होती है. यूं तो देश में भारतीय खाद्य निगम है जो इसी अधिनियम तहत वर्ष 1964 में बना और 1965 में स्थापित हुआ। तब देश में भीषण अन्न संकट विशेष रूप से गेहूँ की कमीं के चलते इसकी जरूरत महसूस हुई। लेकिन इसके साथ ही किसानों के लिए लाभकारी मूल्य की सिफारिश के लिए 1965 में ही कृषि लागत एवं मूल्य आयोग यानी सीएसीपी का भी गठन किया गया। मकसद खाद्यान्न और दूसरे खाद्य पदार्थों की खरीदी, भण्डारण, परिवहन, वितरण और बिक्री करना रहा। लेकिन उससे बड़ा सच यह है कि देश भर में इनके खाद्य गोदाम को बनाने में तेजी नहीं आई। जो बनने थे उसी दौर में बन गए। धीरे-धीरे अनाज का बम्पर उत्पादन होने लगा। यहां तक सब ठीक है लेकिन जब सरकारी संकल्प के बावजूद काम में गति न आए तो हैरानी होती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2020-21 का बजट पेश करते समय किसानों के लिए 16 सूत्रीय फॉर्मूले की घोषणा की थी। इसमें वेयर हाउस और कोल्ड स्टोरेज की भी चर्चा थी। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नए नये वेयर हाउस बनायेगा और इसकी संख्या बढ़ाने के लिए पीपीपी मॉडल को अपनाया जायेगा। यहां तक कि ब्लॉक स्तर पर भंडार गृह बनाये जाने का प्रस्ताव भी था। लेकिन जमीन पर कुछ दिखा नहीं। दुर्भाग्य देखिए वर्ष 2017 में पीपीपी के तहत 100 लाख टन क्षमता के स्टील साइलो के निर्माण लक्ष्य रखा गया। परन्तु 31 मई 2019 तक केवल 6.75 लाख टन क्षमता के ही स्टील साइलो बने जिनमें मध्य प्रदेश में 4.5 लाख टन और पंजाब में 2.25 लाख टन की क्षमता वाले स्टील साइलो ही हैं। इसका दूसरा पहलू भी सोचनीय है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में 50 किलो प्रति व्यक्ति, प्रति वर्ष भोजन की बर्बादी होती है। भरपूर खाद्यान्न उत्पादन के बावजूद भारत वैश्विक भूख सूचकांक 2020 में सर्वाधिक भूख से पीड़ित देशों की सूची में भारत 94वें स्थान पर रहा और 27.2 अंकों के साथ 'गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। विडंबना देखिए देश की 14 प्रतिशत जनसंख्या कुपोषण का शिकार है! इससे भी ज्यादा दुखद यह कि हर वर्ष 25 करोड़ टन से ज्यादा खाद्यान्न की पैदावार के बावजूद यदि हर चौथा भारतीय भूखा सोए और 19 करोड़ लोगों को दोनों जून का खाना तक नसीब न हो तो इससे बड़ी बदनसीबी और क्या हो सकती है? एक और चौंकाने वाला सच भी सामने आया है जिसमें अकेले खाद्य पदार्थों की बर्बादी से ग्रीनहाउस गैस में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है यानी पर्यवारण के नुकसान में भी अनाज का सड़न का बड़ा योगदान है। सवाल फिर वही कि देश में वेयर हाउसों खातिर सस्ती दर में सरकारी जमीन, ऋण व तमाम छूट, व्यवसायिक गारण्टी और दूसरी सरकारी राहतों के बावजूद जरूरत के हिसाब से बन क्यों नहीं पा रहे हैं?

अनाज खुले में सड़ रहा है। इसके पीछे योजनाओं में दस्तावेजों के पुलिन्दों के साथ खानापूर्ति की ऐसी कठिन भरमार है जो साधारण लोगों के बस की नहीं। शायद यही कारण है कि वेयर हाउस किनके हैं, देखते ही माजरा समझ आने लगता है। यदि खास भण्डारण गृहों में आम किसान की पूछ परख होती तो क्या यही स्थिति होती? सवाल में ही जवाब छुपा है। ले देकर लुटा-पिटा भोला किसान उसके लिए आसान सरकारी संग्रहण या खरीदी केन्द्रों पर ही टूटता है। यहां भण्डारण से ज्यादा का स्टॉक होना ही है ताकि जगह की कमीं बताकर खुले में रखे जाने का खेल और बाद में एकाएक आई बारिश से सड़े अनाज की व्यथा-कथा और रहस्यों के बीच सरकारी धन के नाश और खुद के विकास का खेल हो सके। उसके बाद होता है कागजों में लाभ-हानि का खेल। लेकिन इस पीड़ा या सच को कौन समझेगा? भरपूर पैदावर के बाद भी करोड़ों लोग भूखे पेट सो जाएं? काश जनता के अंशदान से बनें राष्ट्रीय राहत कोष से ही हर साल बरबाद होते राष्ट्रीय खाद्यान्न के लिए अत्याधिक उत्पादन वाले इलाके चिन्हित कर सरकारी भण्डारण गृहों की तात्कालिक व्यवस्था की पहल होती जो सिर्फ एक बार के ही निवेश मात्र से 100 वर्ष और आगे भी काम आते, आपदा में राहत का पिटारा भी बनते। खाद्यान्न भीगने, सड़ने या कीट, पक्षियों से जितनी क्षति एक साल में होती है, मात्र उतनी या थोड़ी कम-ज्यादा रकम लगाकर जरूरत के मुताबिक बड़े-बड़े व अत्याधुनिक संसाधनों से लैस गोदाम बन जाते! कई रोजगार सृजित हो जाते। अनाज की रक्षा-सुरक्षा भी होती और अपने खून, पसीने को बहाकर उगाई फसल को सुरक्षित-संरक्षित देख किसान का चेहरा भी सुकून से भरा होता। उससे भी बड़ा सच यह कि देश के राजस्व की हर साल होने वाली सैकड़ों हजार करोड़ रुपयों की क्षति रुक जाती और समृध्द किसान, खुशहाल आवाम की परिकल्पना भी पूरी हो जाती। लेकिन सवाल फिर वही कि साधारण सी इस पहल के लिए गंभीर प्रयास करेगा कौन? जनप्रतिनिधियों, रुतबेदारों, रसूखदारों के चेहरों में वो भी तो बड़ी तादाद में दिखते हैं जिनके बड़े-बड़े भण्डारण और शीतगृह हैं, भरपूर छूट, मनमाफिक किराया और तमाम नामी-बेनामी सुविधाएं लेते हैं। लगता नहीं कि अनाज उगाता किसान और अनाज सड़ाती व्यवस्था ही हमारा सच है?

ज्ञान गंगा

तल्लीनता

सद्गुरु

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या कर रहे हैं, जो कर रहे हैं- वह कितना बड़ा या छोटा काम है। यह कोई मुद्दा ही नहीं है। आप जो भी कर रहे हैं, उससे किस हद तक जुड़े हुए हैं, यही चीज आपके जीवन को सुंदर बनाती है। आप फर्श को साफ करते हुए भी अपने जीवन में परमानंद की अनुभूति कर सकते हैं। मैं आपको आश्रम में दिखाऊंगा कि कैसे लोग बड़े आनंद के साथ फर्श साफ कर रहे हैं। उनको काम करते देख ऐसा लगेगा मानो वे धरती का सबसे महान काम कर रहे हों। जब आप पूरी तरह शामिल होकर किसी काम को करते हैं, तो छोटी-छोटी चीजों पर भी लोग गौर करने लगते हैं। कुछ लोग तेल का दीया जलाने के बजाय घी का दीया जलाते हैं, क्योंकि उन्होंने गौर किया है कि घी के दीए से निकलने वाली रोशनी की चमक तेल के दीए के मुकाबले थोड़ी अलग होती है। ये लोग अपने भगवान के लिए थोड़ी अलग चमक व आभा रखना चाहते हैं। कितनी शानदार बात है! भले ही ईश्वर यहां हो या नहीं, लेकिन आपका जीवन बस यह दीया जलाकर ही खूबसूरत हो गया। हालांकि जीवन का यह आयाम नारी सुलभ माना जाता है, क्योंकि ज्यादातर महिलाएं ऐसे ही जीवन जीती हैं। उनके जीवन की सबसे महत्त्वपूर्ण चीज होती है कि उनके बच्चे अच्छी तरह से खाएं, वे अच्छी तरह से काम करें। इसकी खूबसूरती की कल्पना कीजिए, जहां व्यक्ति खुद अपने जीवन से परे जाकर दूसरों के लिए सबकुछ कर रहा है, उसे अपनी जिंदगी के बारे में कभी कोई चिंता नहीं होती। चूंकि औरत की इस खूबी का शोषण हुआ, इसलिए यह खूबी भद्दी हो गई। अगर इसका शोषण न हुआ होता तो यह बिल्कुल शानदार चीज थी। हम लोग जब बड़े हो रहे थे, तो परिवार में हम चार लोग थे। मेरी मां उन दिनों के हिसाब से ठीक-ठाक पढ़ी-लिखी थीं। उनका पूरा जीवन ही घर को समर्पित था, सुबह से लेकर रात तक वह घर का सारा काम पूरे व्यवस्थित तरीके से करती थीं। वह बेहद व्यवस्थित महिला थीं। अगर वह घर के सामान की लिस्ट बनाने बैठ जाएं, तो फिर उसमें कुछ भी छूटता नहीं था। उसी हिसाब से सामान आता था। इसके बाद पूरे महीने कोई भी चीज कम नहीं पड़ती थी। मैं आपको यह सब बस इसलिए बता रहा हूं कि उनके अंदर जुड़ाव का स्तर कमाल का था।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मन के जख्मों के लिए मरहम है क्षमा

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

जाने क्यों, आज हर आदमी अपने आप को अफलातून मानने लगा है और अपने सामने किसी के अस्तित्व को स्वीकार ही नहीं करना चाहता। कल का भरोसा नहीं और आदमी है कि हर किसी को देख लेने और सबक सिखाने की धौंस देने से बाज़ नहीं आता। तत्वदर्शी फकीर कबीर ने तो कहा है :-

पानी केरा बुदबुदा, अस मानुस की जात।
देखत ही छिप जायेगा, ज्यों तारा परभात।

कवि का कहने का अभिप्राय यही है कि आदमी का अस्तित्व तो पानी के बुलबुले की तरह है। वह तो कालांतर उसी तरह अस्तित्वहीन हो जाता है, जैसे सुबह का तारा देखते ही देखते छिप जाता है।

दूसरे शब्दों में कहूं तो क्षणभंगुर जीवन लेकर आदमी संसार की निस्सारता को भूल कर जाने क्यों मिथ्याभिमान के झूले पर झूलता हुआ अपने आपको अमर मान बैठता है। इतना ही नहीं, वह हर बात में अपनी ही प्रभुता चाहता है। यह चिंता की बात है कि न जाने क्यों, आदमी की विनम्रता समाप्त होती जा रही है और स्वयं को 'सबसे बड़ा और शक्तिशाली' मानने की ज़िद बढ़ती जा रही है। जाने क्यों, हर कोई अपने को ही सही और प्रामाणिक सिद्ध करने पर तुला हुआ दिखाई देता है और अपनी बात पर अड़ा रहता है। सही मायनों में यह व्यक्ति की सरलता सहजता का ही परित्याग करने जैसा है। कल इसी वैचारिक उलझन के दौरान एक बोधकथा अनायास पढ़ने को मिली, जिसने वाकई अन्तर्मन को बहुत शान्ति दी है। वह बोधकथा इस प्रकार है—दो भाई थे और आपस में बड़े ही प्यार से रहते थे। कालांतर किसी बात पर एक दिन उनमें कहा-सुनी हो गई। इसके उपरांत छोटे भाई ने कोई कड़वी बात बड़े भाई को कह दी, तो नाराज़ होकर बड़े भाई ने छोटे को घर से अलग कर दिया। कई वर्ष बीत गए, लेकिन दोनों भाइयों में कोई मेल-मिलाप नहीं हुआ। कोई गंभीर प्रयास भी नहीं हुआ। इस बीच छोटे भाई की बेटी जवान हो गई तो उसने बेटी की शादी तय कर दी। इसी बीच छोटे भाई के मन में विचार आया कि बारात घर पर आए और पितृ तुल्य बड़ा भाई खुशी के इस मौके पर साथ न हो, तो समाज में कई तरह की बातें होंगी। इसी चिंता में डूबने के बाद आखिरकार छोटा भाई बड़े भाई के पास गया। अपनी गलती की क्षमा मांगते हुए उन्हें बेटी की शादी का निमंत्रण देकर आशीर्वाद देने के लिए आने को कहा। लेकिन इसके बावजूद अपमान को याद करके बड़े भाई ने उसकी बात ठुकरा दी। छोटे भाई को बहुत दुख हुआ। लेकिन उसने हार नहीं मानी। उसने दूसरा रास्ता सोचा और वह बड़े भाई के उन गुरु के पास पहुंचा, जिनकी कोई बात बड़ा भाई टालता ही नहीं था। गुरुजी ने छोटे की बात सुनी और उसे आश्वासन दिया। और कहा कि तुम घर जाओ, बड़ा भाई भी शादी में जरूर आएगा। गुरुजी ने बड़े भाई को बुलाकर पूछा कि जब तुम्हारा छोटा भाई अपनी बेटी की शादी में तुम्हें सम्मानपूर्वक बुलाने आया था, तो तुमने मना क्यों किया? बड़े भाई ने कहा—गुरुजी, आज से दस साल पहले छोटे भाई ने मेरा अपमान किया था, मैं उसे कैसे भूल जाऊं? बड़े ही शान्त भाव से गुरुजी ने बड़े भाई से पूछा—क्या तुम ठीक-ठीक यह बता सकते हो कि पिछले सप्ताह मैंने अपने प्रवचन में क्या कहा था? बड़ा भाई सोचने लगा। वह कुछ देर विचार करने के बाद बोला कि गुरुजी, याद नहीं आ

रहा है कि आपने पिछले सप्ताह क्या उपदेश दिया था। अब गुरुजी ने डांटते हुए कहा—तुम्हें पिछले सप्ताह की मेरी अच्छी बात तो याद नहीं रही और अपने छोटे भाई की दस साल पुरानी बात आज तक याद है? जीवन को सकारात्मकता के साथ देखने की जरूरत है। तुम उठो, और छोटे भाई की बेटी के विवाह में जाकर अपना कर्तव्य पूरा करो। यहां ध्यान देने योग्य बात यह कि छोटे भाई ने तुमसे क्षमा मांगी और तुम क्षमा नहीं कर पाए? गुरुजी की बात सुनकर बड़े भाई की आंखें खुल गईं और वह छोटे की बेटी के विवाह में सम्मिलित हुआ। इतना ही नहीं, उसने छोटे भाई को क्षमा भी कर दिया। इस तरह हम देखते हैं कि वर्षों की दुश्मनी क्षमा ने खत्म करवा दी। दरअसल, हम भी मिथ्याभिमान और निरर्थक ज़िद में डूबे कड़वी बातों को मन में बसा कर अनावश्यक रूप से तनाव झेलते रहते हैं। जिस दिन हम क्षमा करने का यह मंत्र अपना लेंगे, समझिए कि उसी दिन से हमारे मन में आनन्द का सागर लहराने लगेगा और कालांतर में हम जीवन के सभी तनावों से मुक्त हो जाएंगे। सही मायनों में क्षमा अमृततुल्य है।

क्षमा तो अमृत है सखे,
भरती गहरे घाव।
मन तनाव से मुक्त हो,
होता शांत स्वभाव।

तो फिर आइए, हम भी संकल्प लें कि किसी की कड़वी बात को मन में रखने के बजाय उस व्यक्ति को क्षमा करके अपने मन को तनाव से मुक्त रखेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेस्ले ने कर्मचारियों उनके के लिए चिकित्सा, वित्तीय, कल्याण सहायता बढ़ाई

नयी दिल्ली, नेस्ले इंडिया ने सोमवार को कहा कि उसने कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर के खिलाफ अपनी लड़ाई के तहत अपने कर्मचारियों के लिए चिकित्सा, वित्तीय और कल्याण सहायता को बढ़ाया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने देखभाल का एक पारिस्थितिकी तंत्र पेश किया है जिसमें कर्मचारियों के लिए चिकित्सा, वित्तीय और कल्याण समर्थन का विस्तार किया गया है। नेस्ले इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने कहा, ''महामारी के फैलने के साथ कई अन्य परिवारों की तरह नेस्ले परिवार भी प्रभावित हुआ है। हम एक परिवार हैं और हर परिवार की तरह, हम जरूरत की इस घड़ी में एक-दूसरे के लिए अपना समर्थन बढ़ा रहे हैं। हमने हमारे लोगों के लिए वित्तीय और कल्याण सहायता और अपनी चिकित्सा सहायता को बढ़ाया है।'' कंपनी अपने उन कर्मचारियों के बच्चों की शिक्षा के लिए सहायता भी देगी जिनका दुर्भाग्य से महामारी के दौरान कोविड के कारण निधन हो गया है। उन्होंने कहा, ''हम इन परिवार के सदस्यों के भविष्य में किसी भी महत्वपूर्ण अस्पताल के खर्च को कवर करने के साथ-साथ मृतक कर्मचारी के परिवार को दो साल का मूल वेतन प्रदान करने के साथ-साथ पेंशन, ग्रेच्युटी और अन्य लागू वैधानिक लाभों को देने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।''

टीवीएस इराक में पेश करेगी अपने दो नए उत्पाद, बगदाद में खोला शोरूम

मुंबई। भारतीय दो पहिया वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने कहा कि वह इराक में अपनी विस्तार योजना के तहत दो नए उत्पाद पेश करने वाली है। कंपनी ने बगदाद में एक नया शोरूम खोला है। कंपनी ने बताया कि वह अपनी बाइक टीवीएस स्टार एचएलएक्स 150 फाइव गियर और तिपहिया वाहन टीवीएस किंग डीलक्स प्लस की पेशकश करेगी। कंपनी ने बताया कि टीवीएस स्टार एचएलएक्स 150 सीसी इंजन के साथ आता है,इस खासतौर से इराकी सड़कों के लिए डिजाइन किया गया है। टीवीएस किंग डीलक्स प्लस एक तिपहिया वाहन है, जो 4 स्ट्रोक, सिंगल सिलेंडर, एयर कूल्ड 199.26 सीसी इंजन से लैस है। कंपनी ने कहा कि बगदाद के फिलिस्तीन स्ट्रीट में 500 वर्ग मीटर में फैला उसका नया शोरूम न केवल दोपहिया और तिपहिया वाहनों की एक विस्तृत श्रृंखला की खुदरा बिक्री करेगा, बल्कि यहां कलपुर्जे भी मिलने वाले हैं।

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस 4,000 करोड़ रुपये तक जुटाएगा

मुंबई। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि उसके बोर्ड ने इक्विटी शेयर और परिवर्तनीय वारंट जारी करके 4,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ये धनराशि कार्लाइल समूह की फर्मों के नेतृत्व वाली संस्थाओं से जुटाई जाएगी। कंपनी ने बताया कि बोर्ड ने निजी नियोजन के आधार पर तरजीही आवंटन के जरिए प्रतिभूतियों को जारी करने और आवंटन के लिए भी मंजूरी दी। इसके लिए कंपनी के शेयरधारकों और अन्य नियामक मंजूरियां ली जानी हैं।

सेंसेक्स 500 अंक उछला, निफ्टी सर्वोच्च स्तर पर

मुंबई,

बीएसई सेंसेक्स सोमवार को करीब 515 अंक उछलकर 51,937.44 अंक पर पहुंच गया जबकि एनएसई निफ्टी रिकार्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर मिले-जुले रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक में तेजी से शेयर बाजार में मजबूती आयी।कारोबारियों के अनुसार कोविड-19 मामलों में दैनिक आधार पर लगातार गिरावट से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 514.56 अंक यानी एक प्रतिशत उछलकर 51,937.44 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 147.15 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ 15,582.80 अंक के रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। कंपनी का शेयर 3 प्रतिशत से अधिक मजबूत हुआ। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय एयरटेल, डा. रेड्डीज, मारुति और आईटीसी में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी तरफ, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, एल एंड टी और सन फार्मा आदि शेयरों में गिरावट रही।एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई और सोल बढ़त में रहे जबकि हांगकांग और तोक्यो में गिरावट दर्ज की गयी। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में मिला-जुला रुख रहा।स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को सुबह जारी आंकड़े के अनुसार देश में 50 दिन बाद 24 घंटे में कोविड-19 के सबसे कम 1,52,734 नए मामले सामने आने के बाद

देश में संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या 2,80,47,534 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी कम होकर 20,26,092 रह गई है। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.08 प्रतिशत बढ़कर 69.46 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।

मजबूत वैश्विक रुख से सोने में 195 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली, वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं में तेजी के रुख के बाद दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 195 रुपए बढ़कर 48,608 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 48,413 रुपए प्रति दस ग्राम था। चांदी भी इस दौरान 15 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 70,521 रुपये प्रति किलो रह गयी जो पिछले कारोबारी सत्र में 70,536 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''कॉमेक्स (न्यूयॉर्क आधारित जिंस एक्सचेंज) में सोने की कीमतों में मजबूती के अनुरूप दिल्ली में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत में 195 रुपये की तेजी आई।'' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव 1,905 डॉलर प्रति औंस पर ऊंचा रहा जबकि चांदी का भाव 27.95 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रहा।

कोविड के डर से कुछ कर्मचारियों के न लौटने के साथ रेनॉल्ट के संयंत्र में कामकाज प्रभावित

चेन्नई, कोविड-19 के डर से कुछ कर्मचारियों के काम पर न लौटने के साथ चेन्नई में रेनॉल्ट निस्सान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (आरएनएआईपीएल) के संयंत्र में सोमवार को कामकाज आंशिक तौर पर प्रभावित हुआ। कंपनी के कर्मचारी संघ से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। गौरतलब है कि कार कंपनी ने तमिलनाडु में कोविड-19 के मामले बढ़ने के साथ कर्मचारियों के तत्काल उत्पादन रोकने की मांग के बीच 26 मई से पांच दिनों के लिए संयंत्र में कामकाज निलंबित कर दिया था। जबकि राज्य सरकार ने ज्यादा कड़े उपायों के साथ 24 मई से एक और हफ्ते के लिए लॉकडाइन बढ़ा दिया था। कर्मचारी संघ से जुड़े एक सूत्र ने कहा, आज यहां संयंत्र के 8,000 कर्मचारियों में से कई काम पर नहीं आए। इनमें अनुबंध पर काम करने वाले मजदूर शामिल हैं। केवल रेनॉल्ट निस्सान तोझिलालरगल संगम (कर्मचारी संघ) के पदाधिकारी आगे के कामकाज को लेकर प्रबंधन के साथ चर्चा के लिए आए थे। कंपनी ने तत्काल इस पर कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन प्रबंधन से जुड़े सूत्रों ने कहा कि जहां कर्मचारियों का एक वर्ग काम पर नहीं आया, दूसरे लोग आए।

प्रोत्साहन पैकेज पर वित्त मंत्री ने कहा, पहले बजट को लागू होने दिया जाएगा

नई दिल्ली।

देश में कोरोना की दूसरी लहर के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है, कि स्टीमुलस पैकेज यानी प्रोत्साहन पैकेज जारी करने से पहले बजट को लागू होने दिया जाएगा।यह बात वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक इंटरव्यू में कही। इंटरव्यू के दौरान वित्तमंत्री से स्टीमुलस पैकेज के बारे में पूछने पर कहा कि ऐसी बातें हो रही हैं कि सरकार की तरफ से बड़ा स्टीमुलस पैकेज जारी नहीं हुआ है। इस पर उन्होंने कहा कि अभी पहली तिमाही भी खत्म नहीं हुई और अभी से स्टीमुलस पैकेज की बात सही नहीं। पहले बजट को पूरी तरह से लागू करने की जरूरत है, जिसे अर्थव्यवस्था पर कोरोना के असरको ध्यान में रखते हुए ही बनाया गया था। स्टीमुलस पैकेज की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि बजट खुद में ही सारी जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि अभी भी आत्मनिर्भर भारतके तहत शुरू की गई बहुत सी योजनाओं का उपयोग किया जा रहा है। उदाहरण के लिए क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम का फंड अभी तक पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हुआ है। हमने इस और सेक्टर्स के लिए भी खोल दिया है और आगे भी इस बढ़ने का पूरा स्कोप है। निर्मला ने कहा कि स्वामी फंड की शुरुआत पूरे देश में 135 प्रोजेक्ट्स के साथ की गई है, जो लंबे समय तक लोगों को फायदे पहुंचाएगा। इससे उन लोगों को फायदा पहुंचेगा जो लोग किराया देते हैं या फिर ईएमआई चुकाते

हैं। एक तरह से देखा जाए तो ये भी एक स्टीमुल पैकेज ही है, क्योंकि इससे सीमेंट, स्टील और लेबर को काफी फायदा पहुंचेगा। अभी भी आत्मनिर्भर भारत की कई घोषणाएं सक्रिय हैं, जैसे ग्रामीण इलाकों में वेलनेस सेंटर सेटअप करना, एग्रिकल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना और भी काफी कुछ। पिछले साल हमने मांग बढ़ने पर मनरेगा का बजट भी बढ़ा दिया था। अगर जरूरत पड़ती है,तब हम इस बार फिर से बजट बढ़ाएंगे, लेकिन अभी मांग अधिक नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना के बाद जब लेबर वापस आ रहे हैं, वह अपनी स्किल्स के हिसाब से नेगोशिएट कर रहे हैं। इसकारण अभी ये नहीं कहा जा सकता है कि कोरोना की दूसरी लहर का अर्थव्यवस्था पर कितना असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके आकलन का काम जारी है, लेकिन अभी हर सप्ताह का आकलन दूसरे सप्ताह से काफी अलग रह रहा है, क्योंकि हर सप्ताह मिलने वाले इनपुट ही अलग-अलग हो रहे हैं।

उद्योग को एक दशक में सबसे ज्यादा लाभ

बिजनेस डेस्क:

कोविड महामारी और संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन से वित्त वर्ष 2021 में भारतीय कंपनी जगत की बिक्री और आय पर असर पड़ा था लेकिन महामारी के बाद कच्चे माल एवं पूंजी लागत में कमी से उद्योग जगत ने एक दशक में सबसे ज्यादा मुनाफा कमाया है। वित्त वर्ष 2021 में सूचीबद्ध कंपनियों का शुद्ध मुनाफा 57.6 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 5.31 लाख करोड़ रुपए रहा।इसके परिणामस्वरूप देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कंपनियों के मुनाफे का हिस्सा 2.63 फीसदी पर पहुंच गया, जो 10 साल में सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2020 में यह अनुपात 1.6 फीसदी के निचले स्तर पर था और वित्त वर्ष 2011 में यह जीडीपी के 3.2 फीसदी के सर्वोच्च स्तर पर था। कंपनियों की आय और जीडीपी का अनुपात भी वित्त वर्ष 2021 में बढ़कर 34.4 फीसदी हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 33.6 फीसदी था लेकिन आय और जीडीपी का अनुपात अभी भी दो साल पहले के 35.7 फीसदी से कम है। वित्त वर्ष 2015 में उद्योग जगत की आय और जीडीपी का अनुपात 41.9 फीसदी के रिकॉर्ड स्तर पर था। हालांकि वित्त वर्ष 2021 में कंपनियों की एकीकृत आय 2 फीसदी घटकर 67 लाख करोड़ रुपए रही। इसकी तुलना में मौजूदा मूल्य पर देश की जीडीपी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अग्रिम अनुमान के अनुसार 4.2 फीसदी घटकर 194.5 लाख करोड़ रुपए रही। आंकड़ों से पता चलता है कि कंपनियों के मुनाफे में बड़ा योगदान परिचालन एवं पूंजी लागत में कमी का है जबकि बिक्री एवं आय में उतना इजाफा नहीं हुआ है। धातुओं, सीमेंट और रसायनों के उत्पादकों को वैश्विक बाजार में कीमतें बढ़ने का फायदा मिला है। वित्त वर्ष 2021 में वैश्विक स्तर पर जिंसों की कीमतों में कमी से भारतीय उद्योग जगत के कच्चे माल की लागत वित्त वर्ष 2021 में 14.1 फीसदी कम हुई, वहीं बिजली एवं ईंधन की लागत में पिछले वित्त वर्ष में 8.2 फीसदी की कमी आई थी। इसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2021 में प्रत्येक 100 रुपए मूल्य की शुद्ध बिक्री में कच्चे माल की लागत 51.6 रुपये रही जो एक साल पहले 56.4 रुपये और वित्त वर्ष 2021 में 65.8 रुपए थी। कच्चे माल और ईंधन की लागत वित्त वर्ष 2021 में 13 साल में सबसे कम रही। यह विश्लेषण 1,054 कंपनियों के अब तक जारी सालाना वित्तीय परिणाम पर आधारित है। नमूने में शामिल इन कंपनियों का समेकित बाजार पूंजीकरण बीते शुक्रवार को 186 लाख करोड़ रुपए था, जो सभी सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण का 84 फीसदी है। मुनाफा और घाटे के आंकड़ों को सूचीबद्ध सहायक इकाइयों के मामले में समायोजित किया गया है। हालांकि महामारी

के बाद वृहद आर्थिक परिस्थितियों में बदलाव से लगभग सभी क्षेत्रों को फायदा मिला लेकिन जिंस उत्पादक और वित्तीय क्षेत्र की इकाइयों को सबसे ज्यादा लाभ मिला।

बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र की कंपनियों का एकीकृत शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2021 में 79.3 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 1.49 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इस दौरान इनके मार्जिन में भी अच्छा-खासा इजाफा हुआ है। ऋणदाताओं की एकीकृत ब्याज लागत 12 साल में पहली बार 2.7 फीसदी कम रही जबकि सकल ब्याज आय 9 फीसदी बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष में तेल परिशोधन एवं विपणन इकाइयों जैसे इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम को भी अच्छा मुनाफा हुआ। इन कंपनियों का वित्त वर्ष 2021 में एकीकृत शुद्ध मुनाफा दोगुना हो गया। बिक्री घटने के बावजूद इन कंपनियों को कम व्यय और इन्वेंट्री का लाभ मिला।

साइकिल मैन्युफैक्चरर्स के लिए वरदान साबित हुई कोरोना माहमारी

चेन्नई ।

साइकिल मैन्युफैक्चरर्स के लिए वित्त वर्ष मुनाफे के लिहाज से बेहतर बनने की ओर है। इसकी वजह कोरोना आने के बाद से लोगों के बीच अपने स्वास्थ्य को लेकर बढ़ी जागरुकता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा साइकिल मार्केटहै। 2019 तक गुजरे 5 वित्त वर्षों में साइकिल की बिक्री ने लगभग 5 फीसदी की हल्की कंपाउंड सालाना ग्रोथ रेट दर्ज की। वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान साइकिल की बिक्री में 22 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, इसकारण सरकार की ओर से विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए स्टैंडर्ड साइकिलों की खरीद में गिरावट आना रहा। इसका नतीजा यह रहा कि कई बड़े साइकिल मैन्युफैक्चरर को अपनी दुकान बंद करनी पड़ी। हालांकि पिछला वित्त वर्ष यानी 2020-21 साइकिल मैन्युफैक्चरर्स के लिए बदलाव लेकर आया, जो कि अच्छा साबित हुआ। दरअसल देश में साइकिल इंडस्ट्री 4 सेगमेंट में बंटी हुई है, स्टैंडर्ड, प्रीमियम, किड्स और एक्सपोर्ट कैटगरी है। महामारी ने फिटनेस और खाली वक्त की एक्सेसरी के रूप में साइकिल की मांग को बढ़ा दिया है,इससे साइकिल की बिक्री में महत्वपूर्ण बदलाव आया है।कारोबारी ने कहा कि साइकिल की बिक्री में प्रीमियम और किड्स साइकिल की हिस्सेदारी 40 फीसदी से बढ़कर 50 फीसदी हो गई है। वहीं सामान्य साइकिल की हिस्सेदारी घटकर 36 फीसदी रह गई है। कोविड की वजह से बढ़ी फिटनेस और किड्स साइकिल की डिमांड के चलते साइकिल इंडस्ट्री इस साल 1.45 करोड़ साइकिलों की बिक्री के आंकड़े को छूने की ओर अग्रसर है। वित्त वर्ष 2020-21 में 1.2 करोड़ साइकिलों की बिक्री हुई थी। कोरोना की दूसरी लहर के चलते प्रीमियम और किड्स सेगमेंट की साइकिलों की बिक्री में 22 फीसदी का उछाल आना चाहिए। एक अन्य कारोबारी के मुताबिक, महामारी ने साइक्लिंग कल्चर को बढ़ावा देने का काम किया है। सार्वजनिक जगहों, शॉपिंग मॉल, जिम से दूर रहने की जरूरत लोगों को खाली वक्त की और फिटनेस एक्सेसरी के तौर पर साइकिल को अपनाने की ओर ले गई है। जब से महामारी फैली है, प्रीमियम बाइक्स की मांग शहरी क्षेत्रों में बढ़ी है,जिसमें मेट्रो और टीयर 2 व टीयर 3 शहर शामिल हैं।

अदानी ग्रुप ने लखनऊ एयरपोर्ट के चार्ज में 10 गुना की वृद्धि की

नई दिल्ली ।

हाल में ही अदानी ग्रुप ने 6 सरकारी एयरपोर्ट के लिए बोली लगाकर यह सभी एयरपोर्ट अपने हवाले कर लिए थे। अदानी ग्रुप ने लखनऊ एयरपोर्ट के चार्ज में 10 गुना की वृद्धि कर दी है। टर्नअराउंड चार्जेस की करें,तब लखनऊ एयरपोर्ट ने प्राइवेट जेट और इंटरनेशनल फ्लाइट के लिए इस काफी बढ़ा दिया है। एविएशन सर्किल में अनुमान लगाया जा रहा है कि अदानी ग्रुप के पास मौजूद अन्य पांच एयरपोर्ट के चार्जेस में भी वृद्धि की जा सकती है। इनमें जयपुर, अहमदाबाद, गुवाहाटी, मैंगलोर और तिरुवंतपुरम एयरपोर्ट शामिल हैं। इस समय देश भर के एयरपोर्ट पर लगने वाले चार्ज एयरपोर्ट इकनामिक रेगुलेटरी अथॉरिटी या सरकार द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। ऐरा ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी है जो चार्ज में बदलाव का फैसला करती है। अब तक एयरपोर्ट में इस तरह के चार में बदलाव करने वाली ऐरा हर 5 साल में इस पर फैसला करती है। लखनऊ एयरपोर्ट के मामले में पिछले साल ही 5 साल की अवधि खत्म हो चुकी है, लेकिन अगले 5 साल के लिए चार्ज के संबंध में कोई फैसला नहीं किया गया है। पिछले साल लखनऊ एयरपोर्ट को अदानी ग्रुप ने अपने नियंत्रण में ले लिया था। लखनऊ के एयरपोर्ट ऑपरेटर अदानी ग्रुप ने ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी के रूप में एक नई कंपनी की नियुक्ति की है, जिसकी वजह से टैरिफ में वृद्धि की गई है। ऑपरेटर का हालांकि कहना है कि नई कंपनी की नियुक्ति के बाद भी सर्विस क्वालिटी में कोई सुधार नहीं देखा गया है। नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर एक बिजनेस जेट एयरक्राफ्ट ऑपरेटर ने कहा, चार्ज में काफी वृद्धि करने के बाद भी ग्राउंड हैंडलिंग सर्विसेज में कोई सुधार नहीं देखा गया है। लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरने वाली बिजनेस जेट फ्लाइट वास्तव में मेडिकल इवेक्युएशन फ्लाइट्स होते हैं। अदानी ग्रुप से इस बारे में पूछे गए एक सवाल का कोई जवाब नहीं मिला। केंद्र सरकार ने एयरपोर्ट का निजीकरण इस उद्देश्य किया था कि इससे सेवाओं की गुणवत्ता सुधरेगी। एयरलाइन से जुड़ी संस्थाओं ने इसका विरोध किया था क्योंकि उन्हें डर था कि एयरपोर्ट चार्जेस में वृद्धि की जा सकती है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (एटा) और फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (फिआ) ने दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद एयरपोर्ट पर लगने वाले अधिक चार्ज का कई बार विरोध किया है। भारत सरकार ने साल 2018 में एयरपोर्ट के नियंत्रण के लिए लगाई जाने वाली बोली की शर्त में बदलाव किया था।

कोविड संकट: ईपीएफओ ने अंशधारकों को दूसरी बार पैसा निकालने की अनुमति दी

नयी दिल्ली,

सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय ईपीएफओ ने देश में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के मद्देनजर अपने पांच करोड़ से अधिक अंशधारकों को राहत देने के इरादे से पीएफ खाते से दूसरी बार पैसा निकालने की अनुमति दी है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पिछले साल की शुरुआत में अपने सदस्यों को महामारी के कारण आकस्मिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसा निकालने की अनुमति दी थी।इसके तहत सदस्यों को तीन महीने का मूल वेतन (मूल वेतन + महंगाई भत्ता) या उनके भविष्य निधि खाते में जमा राशि का 75 प्रतिशत तक, जो भी कम हो, निकालने की अनुमति दी गई है। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान अपने अंशधारकों की मदद करने के लिए ईपीएफओ ने अपने सदस्यों को दूसरी बार कोविड-19 अग्रिम लेने की इजाजत दी है, जिसे वापस नहीं करना होगा।''महामारी के दौरान सदस्यों की वित्तीय जरूरत को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) के तहत विशेष निकासी का प्रावधान मार्च 2020 में किया गया था।इस आशय का एक संशोधन कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 में किया गया था।

इस प्रावधान के तहत तीन महीने के लिए मूल वेतन और महंगाई भत्ते (जो मूल वेतन के रूप में हो) की सीमा तक या ईपीएफ खाते में सदस्य की कुल राशि के 75 प्रतिशत तक, जो भी कम हो, धनराशि निकाली जा सकती है, जिसे वापस करने की जरूरत नहीं है। सदस्य कम राशि के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।

बैंक आफ बड़ौदा को करीब 1050 करोड़ का घाटा, ऐसेट क्वालिटी उम्मीद से बेहतर

नई दिल्ली।

चौथी तिमाही में बैंक आफ बड़ौदा मुनाफे से करीब 1050 करोड़ रुपए के घाटे में आ गया, लेकिन ऐसेट क्वालिटी उम्मीद से बेहतर रही। ज्यादातर ब्रोकरेज नतीजों से खुश है और सीएलएसए ने दिया सबसे ज्यादा 130 रुपए का टारगेट दिया है। वित्त वर्ष 2020-21 की अंतिम तिमाही में बैंक ऑफ बड़ौदा के नतीजे बेहद निराशाजनक रहे। मार्च तिमाही में बैंक ऑफ बड़ौदा का स्टैंडअलोन नेट लॉस 1046.5 करोड़ रुपए रहा, जबकि दिसंबर तिमाही में बैंक को 1,061 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। इतना ही नहीं, वित्त वर्ष 2020 के चौथी तिमाही में भी बैंक को 506 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। चौथी तिमाही में बैंक आफ बड़ौदा की नेट इंटरेस्ट इनकम 4 फीसदी बढ़कर सालाना आधार पर 7,107 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 6,798.4 करोड़ रुपे रहा था। मार्च तिमाही में बैंक के प्रोविजंस और कंटिंजेंसीज 3,586 करोड़ रुपए रहे, जो दिसंबर तिमाही में 3,434.6 करोड़ रुपए और एक साल पहले वित्त वर्ष 2020 के चौथी तिमाही में 6,645 करोड़ रुपए रहा था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन के बजाय दुबई में हो सकते हैं एशियाई विश्व कप क्वालीफायर्स के मैच

बीजिंग । चीन के कोविड-19 को लेकर लगाए गए कड़े प्रतिबंधों के कारण पूर्वी शहर सुजोउ में इस सप्ताह होने वाले विश्व कप फुटबॉल के क्वालीफाईंग मैचों को संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जा सकता है। चीन फुटबॉल संघ ने सोमवार को बयान जारी करके कहा कि मालदीव और सीरिया में संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद इन दोनों देशों की राष्ट्रीय टीमों को चीन पहुंचने पर कड़े पृथकवास से गुजरना होगा और वे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नहीं खेल सकते हैं। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने भी बाद में बयान जारी करके पुष्टि की कि इन मैचों का आयोजन दूसरे स्थान पर किया जाएगा लेकिन उसने स्थान का जिक्र नहीं किया है। एएफसी ने कहा कि एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने ग्रुप ए के बाकी मैचों को चीन के बजाय किसी अन्य तटस्थ स्थल पर आयोजित करने का फैसला किया है। तटस्थ स्थल की घोषणा आगामी दिनों में की जाएगी।

लॉर्डस टेस्ट : इंग्लैंड के खिलाफ जीत से लॉर्डस में अपना रिकॉर्ड सुधारने उतरेगा न्यूजीलैंड

लंदन।

विश्व टेस्ट टीम रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज न्यूजीलैंड बुधवार से यहां लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में जीत दर्ज करके इस मैदान पर अपना खराब रिकॉर्ड सुधारना चाहेगा। इंग्लैंड की टीम अपने मुख्य खिलाड़ियों-बेन स्टोक्स, जोफा आर्चर (दोनों चोट के कारण), जोस बटलर, क्रिस वोक्स, मोइन अली, सैम कुरेन और जॉनी बेयरस्टो (इंडियन प्रीमियर लीग के बाद सभी को आराम दिया गया) के बिना ही पहले टेस्ट मैच में उतरेगी। इन खिलाड़ियों को दूसरे टेस्ट में मौका दिया जा सकता है। इंग्लैंड में 90 साल के क्रिकेट इतिहास में न्यूजीलैंड ने लॉर्डस के मैदान पर अब तक 17 टेस्ट मैच खेले हैं और उनमें से उसे अब तक केवल एक ही मैच में जीत मिली है। यह एकमात्र जीत उसे स्टीफन फलेमिंग की कप्तानी में 1999 में मिली थी। कीवी टीम को लॉर्डस के इस मैदान पर अब आठ मैचों में हार का सामना करना पड़ा है जबकि आठ मैच ड्रॉ रहे हैं। न्यूजीलैंड के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल टिम साउदी और रॉस टेलर का इंग्लैंड का यह चौथा दौरा है, लेकिन वे लॉर्डस में अब तक एक जीत का हिस्सा नहीं बन पाए हैं। न्यूजीलैंड की टीम को साथ ही एजबेस्टन और बर्मिंघम में भी एक भी जीत नहीं मिली है, जहां उसे इंग्लैंड के साथ दूसरा टेस्ट मैच खेलना है। इंग्लैंड ने जहां एक तरफ अपने मुख्य खिलाड़ियों को आराम दिया है, तो वह न्यूजीलैंड को भी नए गेंद के साथ गेंदबाजी करने वाली गेंदबाज की कमी खलेगी क्योंकि ट्रेंट बाउल्ट ने आईपीएल से लौटने के बाद न्यूजीलैंड में अपने परिवार के साथ समय बिताने का फैसला किया है। हालांकि बाउल्ट की गैर मौजूदगी के बावजूद न्यूजीलैंड टीम के पास गेंदबाजी में काफी विकल्प

है। कप्तान केन विलियम्सन विश्व टेस्ट क्रिकेट में नंबर 1 बल्लेबाज हैं, जबकि गेंदबाजों की लिस्ट में तेज गेंदबाज नील वेगनर तीसरे और टिम साउदी छठे नंबर पर है। तेज गेंदबाज काइल जेमिसन अपने करियर के शुरूआती छह टेस्ट मैचों में 36 विकेट चटका चुके हैं और वह यहां भी कहर बरपाने के लिए तैयार हैं। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड में अब तक 54 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से उसने केवल पांच में जीत दर्ज की है जबकि 30 मैचों में उसे हार का मुंह देखना पड़ा है। वहीं, दोनों टीमों के बीच 19 मैच ड्रॉ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई सॉफ्टबॉल टीम ओलंपिक शिविर के लिए जापान रवाना

सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया की ओलंपिक सॉफ्टबॉल टीम सोमवार को सिडनी से जापान के लिए रवाना हुई जो इन खेलों के लिए सबसे पहले ताक्यो पहुंचने वाले दलों में एक है। ऑस्ट्रेलियाई टीम का शिविर तोक्यो के उत्तर में ओटा सिटी में होगा। टीम में अभी 23 खिलाड़ी है लेकिन आधिकारिक उद्घाटन समारोह से दो दिन पहले 21 जुलाई को मेजबान जापान के खिलाफ शुरु आती ओलंपिक मैच से पहले खिलाड़ियों की संख्या 15 तक सीमित कर दी जाएगी। सॉफ्टबॉल की ये टीम ऐसे समय में जापान पहुंच रही है जब कोविड-19 महामारी के कारण वहां के लोग आयोजकों पर इन खेलों को रद्द करने का दबाव बना रहे हैं। सॉफ्टबॉल ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी डेविड पार्यलेस ने कहा कि टीम खुद को और जापान की जनता को सुरक्षित रखने के लिए पूरी सावधानी बरतेगी। उन्होंने बताया कि जापान के लिए रवाना होने वाले खिलाड़ियों और सहयोगी सदस्यों का ऑस्ट्रेलियाई ओलंपिक समिति के सौजन्य से टीकाकरण हो गया है। वहां हवाईअड्डे पर पहुंचे के बाद और शिविर में उन्हें लगातार जांच से गुजरना होगा। वे अपनी गतिविधियों को होटल, जिम और अभ्यास स्थल तक सीमित रखेंगे।

दिव्या एवं स्वस्तिका की जोड़ी विश्व टेबल टेनिस युवा स्टार कंटेडर में उपविजेता रही

नयी दिल्ली, भारतीय युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी दिव्या चिताले एवं स्वस्तिका घोष की जोड़ी को ट्यूनिशिया में चल रहे 2021 विश्व टेबल टेनिस युवा स्टार कंटेंडर टूर्नामेंट के अंडर-19 महिला युगल फाइनल में रूस की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को रूस की नतालिया मलिनिया एवं एलिजाबेथ अगरामियन की जोड़ी ने 3-11, 6-11, 7-11 से हराया । इससे पहले दिव्या एवं स्वास्तिका की जोड़ी ने सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की लिंडा जादेरोवा एवं क्रोएशिया की हाना अरापोविच की जोड़ी को शिकस्त दी थी। दिव्या और स्वास्तिका ने अंडर-19 एकल वर्ग में भी शानदार प्रदर्शन किया लेकिन अपने अभियान को सेमीफाइनल से आगे नहीं ले जा सके। दोनो को अंतिम चार के कड़े मुकाबले में अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों से 2-3 से मात मिली। दिव्या को रूस की वलदा वोरोनिना के खिलाफ 8-11, 11-7, 11-6, 8-11, 7-11 जबकि स्वास्तिका को तुर्की की ऐस हराक के विरूध 11-8, 4-11, 11-9, 3-11, 6-11 से पराजय का झेलनी पड़ी। कोरोना वायरस फैलने के बाद यह पहला अंतरराष्ट्रीय युवा टूर्नामेंट है जिसमें भारतीय खिलाड़ी खेल रहे हैं।

शेफाली का सभी प्रारूपों में खेलना फायदेमंद : मिताली

नयी दिल्ली,

भारतीय कप्तान मिताली राज ने युवा क्रिकेटर शेफाली वर्मा को तीनों प्रारूपों में टीम में जगह मिलने का स्वागत करते हुए कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में मिली हार के बाद इंग्लैंड में जीत की राह पर लौटने के लिये यह जरूरी है । कोरोना महामारी के कारण काफी समय खेल से दूर रही भारतीय महिला टीम एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 मैचों के दौरे के लिए इंग्लैंड रवाना होने वाली है । अगले साल की शुरूआत में न्यूजीलैंड में वनडे विश्व कप होना है और उसकी तैयारी के लिये यह दौरा अहम है । शेफाली को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे टीम में जगह नहीं मिली थी जिसकी काफी आलोचना की गई थी । मिताली ने पीटीआई से कहा कि टेस्ट और वनडे टीम में शेफाली को जगह मिलने का फायदा होगा और उसकी प्रतिभा को समझदारी से तराशने की जरूरत है । उन्होंने कहा ,'' उसका तीनों प्रारूप में खेलना फायदेमंद है । देखना है कि वह किस तरह का प्रदर्शन करती है ।''सत्रह बरस की रिचा घोष के बाद उसी की उम्र की शेफाली को राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। मिताली का मानना है कि युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलना चाहिये और फॉर्म खराब होने पर उनका साथ देने की जरूरत है । उन्होंने कहा ,'' अनुभव बांटना एक बात है लेकिन खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये मंच मिलना चाहिये ताकि वे अनुभव और खेल की समझ हासिल कर सकें ।''' मिताली ने कहा ,'' उन्हें प्रगति के लिये समय देने की जरूरत है । इसके साथ ही नाकाम रहने पर उनका साथ देना सीनियर खिलाड़ी की जिम्मेदारी है।यह एक सफर है और कई बार अपनी जमीन खुद तलाशनी पड़ती है ।''

संक्षिप्त समाचार

भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा संयुक्त 8वें स्थान पर

फोर्सो डेनमार्क। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा मैड इन हिम्मरलैंड गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 8वें स्थान पर रहे। यह पिछले 18 महीनों में पहला अवसर है जबकि उन्होंने शीर्ष 10 में स्थान बनाया। यूरोपीय टूर में दो बार के विजेता शुभंकर ने अपने आखिरी दौर का समापन लगातार 2 बर्डी जमाकर किया तथा चार अंडर 68 का कार्ड खेला। इससे पहले वह यूरोपीय टूर में नवंबर 2010 में शीर्ष दस में रहे थे। तब उन्होंने तुर्किश एयरलाइन्स ओपन में संयुक्त सातवां स्थान हासलि किया था। इससे एक महीने पहले इटालियन ओपन में भी उन्होंने इसी तरह का परिणाम हासिल किया था। शुभंकर ने आखिरी दिन चार बर्डी बनाई जिनमें दो बर्डी उन्होंने अंतिम दो होल में की। इस भारतीय गोल्फर को जून में होने वाले यूएस ओपन में जगह बनाने के लिए आगे की प्रतियोगिताओं में भी शीर्ष 10 में आने की जरूरत है। यदि वह पोर्श यूरोपीय ओपन में शीर्ष पांच में रहते हैं तो वह यूएस ओपन के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं और इससे उनकी ओलंपिक में जगह बनाने की संभावना भी बढ़ जाएगी। इस बीच आस्ट्रेलिया के बर्न्ड वीसबर्गर अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहे। उन्होंने इससे पहले 2019 में खिताब जीता था जबकि कोविड-19 के कारण पिछले साल इस प्रतियोगिता क आयोजन नहीं हो पाया था। वीसबर्गर ने प्रत्येक दौर में बढ़त बनाए रखी थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए मजूबत टीम चुनेगा विंडीज

सेंट लुसिया। दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाली दो मैचों टेस्ट सीरीज के लिए क्रिकेट वेस्टइंडीज को मजबूत टीम चुनने की उम्मीद है। कोरोना के कारण कम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट होने के कारण क्रिकेट वेस्टइंडीज ने इंट्रा स्कावयड मैच कराए जिससे ना सिर्फ मजबूत टीम चुनी जा सके बल्कि खिलाड़ियों को कुछ मैच एक्सपोजर भी दिए जाएं।चार दिवसीय मैच सोमवार से डेरेन सैमी क्रिकेट ग्राउंड में शुरू हुआ। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बयान जारी कर कहा, खिलाड़ी उत्साहित हैं और इसके लिए तैयार हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए टीम चुनी जाने से पहले इंट्रा स्कावयड मुकाबला ही एकमात्र प्रतिस्पर्धी मैच है। दक्षिण अफ्रीका की टीम एक जून को सेंट लुसिया पहुंचेगी और 10 जून से टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके बाद 26 जून से दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज होगी। विकेटकीपर बल्लेबाज जाहमर हेमिल्टन ने कहा, हमारे पास टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए अच्छे खिलाड़ी मौजूद हैं। इंट्रा स्कावयड मुकाबले के टेस्ट टीम के लिए खिलाड़ी चुने जाने हैं तो यह एक अच्छी चुनौती है।

आईपीएल 2021 : दर्शकों को मिल सकती है स्टेडियम में मैच देखने की अनुमति

स्पोर्ट्स डेस्क।

कोरोना वायरस के कारण अनिश्चित काल के लिए स्थगित हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 की बहाली सितम्बर में यूएई में होगी। इसी के साथ ही एक बड़ी जानकारी ये भी सामने आई है कि आईपीएल के बाकी बचे हुए 31 मैचों में दर्शकों को भी स्टेडियम में आकर मैच देखने को अनुमति मिले सकती है। बॉयो बबल में खिलाड़ियों के कोविड-19 पाजिटिव पाए जाने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने 4 मई को इस टी20 टूर्नामेंट को स्थित कर दिया था। एक न्यूज रिपोर्ट में यूएई सरकार के नियमों का हवाला देते हुए कहा गया है कि मैदान में 50 प्रतिशत दर्शकों को आईपीएल 2021 के बचे हुए मैचों के लिए एंट्री मिल सकती है। इसके लिए शर्त ये होगी कि स्टेडियम में मैच देखने के लिए कोरोना की वैक्सीन लगी होना अनिवार्य होगा। यूएई में ज्यादातर लोगों को वैक्सीन लग चुकी है। बीसीसीआई ने हाल ही में खास बैठक के दौरान आईपीएल की बहाली पर फैसला लिया था। अब बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली, सचिव जय शाह, वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला, अरुण धूमल दुबई

जाएंगे और आईपीएल को लेकर यूएई सरकार और अमीरात क्रिकेट बोर्ड से बात की जाएगी। गौर हो ईसीबी ने पिछले साल भी आईपीएल की मेजबानी की थी और ये टी20 लीग बिना किसी परेशानी के पूर्ण हुई थी ऐसे में ईसीबी के लिए आईपीएल के बाकी के 31 मैच करवाना कोई मुश्किल कार्य नहीं होगा।

मुक्केबाजी कोच अली कमर ने कहा- अभ्यास में खलल नहीं पड़ता तो और बेहतर प्रदर्शन करते

नई दिल्ली। भारत की सभी 10 महिला मुक्केबाजों ने एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीते लेकिन मुख्य कोच मोहम्मद अली कमर का मानना है कि यदि कोविड-19 के कारण उनके अभ्यास में व्यवधान नहीं पड़ता तो स्वर्ण पदकों की संख्या अधिक होती। भारतीय महिला टीम ने 10 भार वर्गों में हिस्सा लिया था। उसने एक स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य पदक जीते। इनमें से सात पदक तो ड्रा के दिन ही पक्के हो गए थे क्योंकि इनमें कम प्रतिस्पर्धियों ने हिस्सा लिया था। अली कमर ने कहा कि मैं संपूर्ण प्रदर्शन से काफी संतुष्ट हूं। हां, हम अधिक स्वर्ण पदक जीत सकते थे लेकिन हमें चैंपियनशिप से पहले अभ्यास करने का खास मौका नहीं मिला, इसलिए मैं शिकायत नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सभी रजत पदक विजेता करीबी मुकाबलों में हारे और उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। एक कोच के रूप में मैं इससे अधिक उम्मीद नहीं कर सकता। अली कमर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी एमसी मैरीकॉम (51 किग्रा), टूर्नामेंट में पदार्पण करने वाली लालबुतसाई (64 किग्रा) और अनुपमा (81 किग्रा से अधिक) की करीबी हार के संदर्भ में बात कर रहे थे। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी पूजा रानी (75 किग्रा) भारत की तरफ से स्वर्ण पदक जीतने वाली एकमात्र महिला मुक्केबाज रही। भारतीय टीम का राष्ट्रीय शिविर दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रहा था लेकिन कोविड-19 के कई मामले पाये जाने के बाद इसे रोक दिया गया था।

रियो ओलंपिक की तुलना में भारतीय हॉकी टीम की तैयारी बेहतर : रघुनाथ

बेंगलुरु। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व ड्रैग फ्लिकर वीआर रघुनाथ का मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम की तैयारी 2016 रियो ओलंपिक की तुलना में बेहतर है। रघुनाथ ने कहा, मेरा मानना है कि मौजूदा भारतीय हॉकी बेहतर तरीके से ओलंपिक की तैयारी कर रही है। एक ही बैच के खिलाड़ी सात-आठ साल से हैं और यूरोपियन खिलाड़ियों के साथ संपर्क में है। उम्मीद है कि टीम रियो के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन करेगी।उन्होंने कहा, ओलंपिक में जरूरी है कि आप किस तरह लय हासिल कर रहे हैं। मैंने देखा है कि टीम सामान्य तरीके से फ्री माइंड होकर खेलती है। मैंने खिलाड़ियों से कहा कि अवसर के बारे में बहुत अधिक नहीं सोचें। रघुनाथ ने कहा, खिलाड़ी लगभग एक ही आयु वर्ग के हैं और लंबे समय से क्वारंटीन में एक साथ रह रहे हैं जिस कारण वे एक दूसरे को जानने लगे हैं। रूपिंदर और मनप्रीत जैसे खिलाड़ी पिछले सीजन में भी थे। रघुनाथ ने टीम के मौजूदा उपकप्तान हरमनप्रीत सिंह की सराहना की। उन्होंने कहा, अंडर-21 विश्व कप जीतने के बाद हरमनप्रीत तुरंत टीम में आए। कोच ने कहा था कि इसे टीम में रखना है और कम से कम 30-40 मैच तक संभालना है जिससे इन्हें इस बात का अंदाजा हो कि अंतरराष्ट्रीय हॉकी क्या है।

गोलकीपर गुरप्रीत सिंह ने कहा- कतर के खिलाफ गोलरहित ड्रा मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं

दोहा।

भारतीय फुटबॉल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू का मानना कि सितंबर 2019 में फीफा विश्व कप क्वालीफायर में एशियाई चैंपियन कतर के खिलाफ यादगार गोलरहित ड्रॉ मैच उनका अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन नहीं है। उनके अनुसार उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2018 विश्व कप क्वालीफायर में ईरान के खिलाफ तेहरान में दर्शकों से भरे आजादी स्टेडियम और और चीन में चीन के खिलाफ एक मैच में किया था। ईरान के खिलाफ भारतीय टी 0-4 से हार गई थी। गुरप्रीत ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से कहा कि मैं जिस भी व्यक्ति से बात करता हूं वह मुझे कतर मैच के बारे में हमेशा याद दिलाता। अगर आप मुझसे पूछें तो यह मेरा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं है। मैं समझता हूं कि कतर मैच में हमें एक अच्छा परिणाम मिला था और यह हमेशा एक आकर्षण रहेगा। देश के शीर्ष गोलकीपर ने कहा कि मैं कतर के खिलाफ अपने प्रदर्शन से आगे हमेशा दो अन्य मैचों को चुनूंगा। विश्व कप रूस 2018 क्वालीफायर मुकाबले में 2016 में ईरान के खिलाफ तेहरान में दर्शकों से भरे आजादी स्टेडियम में खेला गया मैच मेरी सूची में हमेशा सबसे ऊपर रहेगा। उन्होंने कहा कि हां हम मैच को 0-4 से हार गये थे लेकिन मुझे लगता है कि तेहरान में दोहा के मुकाबले बहुत अधिक दबाव था। चीन में चीन के खिलाफ मैच भी मेरी सूची में शीर्ष स्थान पर है। इसके लिए मुझे अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की आवश्यकता थी। मैने अन्य सभी खिलाड़ियों की तरह अपनी मजबूत मानसिकता को दिखायाा था। गुरप्रीत आगामी विश्व कप 2022 एवं एशियाई कप 2023 क्वालीफायर मैचों के लिए दोहा गयी भारतीय टीम में शामिल है। भारतीय टीम फीफा विश्व कप की दौड़ से बाहर हो गयी है लेकिन चीन में खेले जाने वाले एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में बनी हुई है। भारत को दोहा का जस्सीम बिन हमद स्टेडियम में कतर के खिलाफ तीन जून को पहला मुकाबला खेलना है। इसके बाद सात जून को बांग्लादेश और 15 जून का अफगानिस्तान से भिड़ना है। कतर के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के पिछले मैच में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले गुरप्रीत ने कहा कि हमें उनके लिए परिस्थितियों को मुश्किल बनाना था। वे उस साल एएफसी एशियाई कप जीते थे और कोपा अमेरिका में खेलने के बाद शीर्ष लय में थे।

फ्रेंच ओपन : चौथी सीड डोमिनिक थिएम पहले राउंड में बाहर

पेरिस । चौथी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम पहले दौर के मुकाबले में स्पेन के पाब्लो एनडूजार से रविवार को लगभग साढ़े चार घंटे तक चले पांच सेटों के मुकाबले में हारकर वर्ष के दूसरे ग्रैंड सलेम फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए। एनडूजार ने थिएम को पहले दो सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट जीतकर चार घंटे 28 मिनट में 6-4, 7-5, 3-6, 4-6, 4-6 से पराजित कर दूसरे दौर में जगह बना ली। पांचवीं सीड यूनान के स्तेफानोस सितसिपास ने आसान जीत के साथ दूसरे दौर में जगह बना ली है। सितसिपास ने दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में जेरेमी चाड्री को लगातार सेटों में 7-6, 6-3, 6-1 से हराया। छठी सीड जर्मनी के आंद्रेई ज्वेरेव ने हमवतन क्वालीफायर ऑस्कर ओट्टी को पांच सेटों में 3-6, 3-6, 6-2, 6-2, 6-0 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। महिलाओं में तीसरी सीड बेलारूस की अरन्या सबालेंका और 23वीं सीड अमेरिका की मेडिसन कीज अपने अपने पहले दौर के मुकाबले जीतकर दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं।

ज्यादा से ज्यादा योगदान

यदि आप कस्टमर सर्विस में हैं और किसी को आपकी मदद की जरूरत है तो मात्र 'आप इस नंबर पर मिला लें', ऐसा न कहें। यदि संभव है तो उनको यह काम आप करके दें। अच्छी सेवाओं की उपभोक्ता प्रशंसा करते हैं। जब बॉस के सामने कोई ग्राहक कंपनी द्वारा दी जा रही अच्छी सेवाओं के माध्यम से आपकी तारीफ करता है, यह आपके लिए मायने रखता है।

आप वर्किंग वुमन हैं, आप अपना काम अच्छी तरह से पूरा करते हैं तो आपकी पहचान ऐसे कर्मचारी के रूप में है, जो उस कार्य विशेष को अच्छी तरह करना जानती हैं। लेकिन कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं, जिनकी जिम्मेदारी आप को समझनी चाहिए।

आगे बढ़ने के लिए ये भी जरूरी

अधिकतर कर्मचारी यह नहीं समझते कि जिस कंपनी में वे नौकरी कर रहे हैं, उसका हिस्सा मानते हुए उसे आगे ले जाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। यहां कुछ ऐसे ही कामों की सूची दी जा रही है, जो आपके जॉब प्रोफाइल में शामिल नहीं होते, पर यदि आप उन्हें करती हैं तो आपको आगे बढ़ने के लिए अवसर मिलते रहेंगे। क्योंकि बात जब प्रमोशन की आती है तो प्रबंधकीय टीम की नजर ऐसे लीडर्स पर होती है, जो उस कंपनी विशेष के साथ खुद को जोड़ कर देखते हैं।

समस्याओं का अनुमान

भविष्य में आ सकने वाली समस्याओं का अनुमान लगाएं। अपने पास उनके समाधान तैयार रखें। घटनाएं होने का इंतजार न करें, अपने स्तर पर सक्रिय बनें। हम सबके पास ऐसे पल होते हैं, जब लगता है कि उस कार्य को हम और बेहतर कर सकते थे। जब भी ऐसे क्षण आएं तो पूरी योजना के साथ आगे आएं और उस काम को कर लें।

आपके विचार और सुझाव

काम के दौरान यदि आपको लगता है कि किसी काम को अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है तो उस संबंध में अपना सुझाव दें। यदि आपका मैनेजर उसमें बाधा पहुंचा रहा है तो जहां भी आप अपने सुझाव दे सकती हैं, अवश्य दें।

दूसरी गतिविधियों से जुड़ें

एक कंपनी में कई तरह की गतिविधियां होती हैं। मसलन, आप डाइवर्सिटी कमेटी की सदस्य बन सकती हैं। ऐसे कामों से खुद को जोड़ सकती हैं, जहां लगता है कि आप बेहतर योगदान दे सकती हैं। यदि आपको कंपनी एचआर की ओर से किसी काम में वॉलंटियर बनने का ई-मेल मिलता है और आप वह काम कर सकती हैं तो अवश्य करें। कंपनी यदि किसी नए काम या प्रयास की जानकारी दे रही है तो उस बारे में सकारात्मक टिप्पणी भेजें, योगदान देने की अपनी मंशा को भी व्यक्त करें। मैनेजमेंट को यह बात पसंद आती है।

कहे जाने का इंतजार न करें

आपको लगता है कि कोई कार्य किया जाना है, जिसे कोई कर नहीं रहा है तो उसे करें। यहां तक कि लंच के बाद उस जगह को पुनर्व्यवस्थित करना या पार्टी आदि के किसी आयोजनों में मदद करने से पीछे न हटें। बहुत कम लोग होते हैं जो बिना कहे, काम किए जाने की जरूरत समझते हैं।

लीडरशिप डेवलप करें

प्रत्येक टीम या प्रोजेक्ट का एक लीडर होता है तो वह आप क्यों नहीं हो सकते? यदि आप लीडर नहीं भी हैं तो भी अधिकतम योगदान दें। अपना सुझाव दें। यदि कोई काम गैर उपयोगी लगता है तो अपना मत पूरे शिष्टाचार के साथ व्यक्त करें।

कंपनी के बारे में बुराई से बचें

किसी बात पर यदि सहमत नहीं है तो प्रश्न पूछें। पर इधर-उधर कंपनी के बारे में बुरा बोलना या फिर काम या बॉस के संबंध में अपशब्द कहना सही नहीं है। ऐसा करने से आपको कंपनी में और उच्च स्तर पर काम करने का अवसर नहीं मिलेगा। जब भी आप काम पर हों तो कंपनी के कामों में सुधार करने की दिशा में अपना योगदान दें।

मीटिंग्स में चुप न रहें

मीटिंग में कुछ लोग बिल्कुल चुप रहते हैं, हमेशा ये रवैया सही नहीं होता। किसी भी कर्मचारी के लिए जरूरी है कि वह जिस तरह और जितना अधिक कामों में अपना योगदान दे सकता है, अवश्य दे। खासतौर पर महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स या उच्च स्तरीय कार्यों की बात हो तो उनमें अवश्य भाग लें। याद रखें, काम करने वालों को हमेशा नोटिस किया जाता है।

डेस्क प्लांट बढ़ाए टेबल की ब्यूटी

मानसिक और शारीरिक दृष्टि से पौधे हमें काफी फायदा पहुंचाते है। और यदि ये घर में लगाए जाए तो घर की रौनक और अधिक बढ़ा देते है। आपको भी गार्डनिंग का काफी शौक है लेकिन समय की वजह से आप अपना शौक पूरा नहीं कर पा रही है तो निराश न हो क्योंकि आप ये शौक डेस्क प्लांट के जरिए कर सकती हैं। ऑफिस डेस्क पर ये प्लांटस काफी सुंदर लगते है आइए जाने प्लांटस के बारे में-

पौधे का चयन करते वक्त

एक्सपर्ट के अनुसार ऑफिस डेस्क पर रखा हुआ पौधा हमारे मन को खुशहाल बनाए रखता है। डेस्क के लिए पौधा चुनते समय इन बातों का ध्यान रखें-

- डेस्क के लिए ऐसा पौधा चुनें, जिसकी पत्तियां स्मूद यानी चिकनी हो। इससे ऑफिस के लोगों के साथ आपके रिलेशन में सुधार आएगा।
- जहां तक संभव हो हरी पतियों वाला पौधा ही डेस्क पर रखें, क्योंकि हरा रंग स्नेह और खुशहाली का प्रतीक है।
- चाहें तो छोटे-छोटे फूलों वाला पौधा भी रख सकती है। इससे आपका स्ट्रेस लेवल कम होगा और मैरिड लाइफ में रोमांस बढ़ेगा।
- डेस्क पर रखे हुए पौधे की हरियाली मन को शांत और कलीग्स के साथ रिश्तों को तनावमुक्त रखती है।

हवा और ध्वनि की शुद्धता

ये तो हम सभी जानते हैं कि पौधे कार्बन डाई ऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन उत्सर्जित करते हैं। ऐसे में डेस्क गार्डनिंग न सिर्फ आपके गार्डनिंग के शौक को पूरा करता है, बल्कि

ऑफिस के वातावरण को भी शुद्ध रखता है। शोध बताते है कि इनडोर प्लांटस ध्वनि को एब्जॉर्ब करते हैं। अतः डेस्क पर रखे प्लांट्स से भी ध्वनि का स्तर कम हो जाता है और हम ध्वनि प्रदूषण से बचते हैं। ऑफिस में मौजूद इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, जैसे कंप्यूटर, प्रिंटर, फैक्स, स्कैनर आदि से निकलने वाली विशैली गैसों को अवशोशित करता है। इन गैसों की वजह से सिरदर्द या आंखों में जलन आदि की समस्या हो सकती है।

सभी से बातें होती हैं, हंसी-मजाक होता है। लेकिन उनमें से कुछेक से आप और भी ज्यादा करीब होती हैं। यही वह दोस्त है, जो 'सहेली' बन जाती है।

कुछ खास है सहेली का दर्जा

महिलाओं के लिए एक सहेली का दर्जा कुछ खास होता है। जिंदगी में एक सहेली की जरूरत इसलिए बहुत ज्यादा होती है क्योंकि दो सहेलियों में सबसे पहले औरत होने का रिश्ता बन जाता है। इस रिश्ते के दर्द और खुशियां सब लगभग एक समान होते हैं। एक सहेली आपकी परछाई होती है। एक एक्टर का एक इंटरव्यू था। उसका कहना था कि एक महिला का किरदार निभाने के लिए उसे साड़ी पहननी पड़ी और तब उसे अहसास हुआ कि महिलाओं को इस वेश के साथ दैनिक कर्मों में कितनी दिक्कत होती है। ऐसी अंडरस्टैंडिंग एक पुरुष मित्र के बजाय एक सहेली से अपने आप ही बन जाती है।

मतलब आपकी भावनाओं को एक महिला ज्यादा बेहतर समझ सकती है। वैसे एक दोस्त की जरूरत हमारे मानसिक स्वास्थ्य और बेहतर समायोजन के लिए बहुत जरूरी है। दोस्ती में जज किए जाने, धोखा दिए जाने का डर नहीं होता। दोस्त के सामने बिना किसी आडंबर के व्यवहार कर सकते हैं। हमारे व्यक्तित्व को विकास, मनोरंजन और मानसिक चुनौतियों की जरूरत होती है। एक ही व्यक्ति से ये सभी पूरी हों, संभव नहीं। इसीलिए हम कई दोस्त बनाकर उनसे खुद को संपूर्ण बनाते हैं। हम एक बड़ा ग्रुप बना लेते हैं। इससे हमें सुविधा भी होती है।

सफाई के साथ सजावट द्वारा ही घर के वातावरण में मधुरता घोली जा सकती है। इसके लिए जरूरी नहीं है कि आपका घर बहुत बड़ा ही हो। छोटे घर को भी अपने रचनात्मक कौशल से आकर्षक बनाया जा सकता है।

आपकी पहचान है आपका घर

कहा जाता है कि साफ सुथरे और सजे संवरे मकानों के लिए आर्थिक स्थिति भी उसी स्तर की होनी चाहिए परन्तु गहराई से विचार करने पर यह बात बड़ी आसानी से समझी जा सकती है कि सस्ते और कच्चे मकानों में बिना कुछ खर्च किये सफाई रखी जा सकती है तथा रोजमर्रा की उपयोगी वस्तुओं को यथा स्थान ढंग से रखकर घर को सुरुचिपूर्ण रखा जा सकता है। बड़े और महंगे मकानों में भी सफाई का ध्यान न रखा जाए और वस्तुओं को ठीक तरीके से रखने की बात न सोची जाए तो इस कारण वहां जो फूहड़ता और बेढंगेपन का नजारा होता है, वह कीमती सामानों को भी कूड़े-करकट की श्रेणी में ला खड़ा कर देती है।

दो स्थानों का रखें विशेष ख्याल

घर में दो स्थानों पर ज्यादा गंदगी होती है—जिनका उपयोग परिवार का प्रत्येक सदस्य कम से कम दो बार तो करता ही है। रसोई और स्नानागार में इसलिए भी अधिक गंदगी होती है कि वहां पर उपयोग के साथ-साथ बिखराव भी होता है। रसोई में काम करने और भोजन करने के बाद तुरंत सफाई कर लेना चाहिए और उपयोग में आने वाली वस्तुओं-बर्तनों को भी तुरंत साफ कर यथास्थान रख देना चाहिए।

वस्तुओं की सफाई का क्रम

घर में ऐसी बहुत-सी चीजें रहती हैं जिनकी रोज-रोज सफाई करने की बारी नहीं आती। दीवारें, छत आदि में थोड़े दिनों के बाद जाले पड़ते हैं और धूल जम जाती है। सप्ताह में एक दिन पूरे घर की अच्छी तरह सफाई की जा सकती है। मेज, कुर्सी, पलंग, फर्नीचर आदि का झाड़ पोंछ तो रोज ही हो जाती है पर उनकी टूट-फूअ साज संभाल के लिए भी महीने में कम से कम एक दिन नियत रखा जा सकता है। कालीन, दरी, फर्श और चटाइयों जैसी वस्तुओं के लिए साज संभाल का क्रम बना लें।

बजट का भी रखें ख्याल

स्वच्छता की ही तरह सजावट के लिए भी न तो बजट में अतिरिक्त व्यवस्था रखने की आवश्यकता पड़ती है और न ही बहुमूल्य सामग्री की। थोड़ा बहुत फर्नीचर और तस्वीरें तो प्रायः सभी घरों में मिलती हैं। यदि उन्हें उपयुक्त स्थान पर रखने और समुचित क्रम से सजाने भर का ध्यान रखा जाए तो कम वस्तुएं भी मनुष्य के कलात्मक दृष्टिकोण को उजागर कर देती है।

हरियाली की उपयोगिता

घर में हरियाली आनंदपूर्ण वातावरण बनाती है। जिन घरों में उद्यान लगाने की जगह न हो, वहां तार के छींकों पर लटकने वाले डिब्बे तैयार कर उनमें मिट्टी आदि डालकर उनमें पौधे लगाकर घर के बाहर रख दें। यहां यह ध्यान रखना होगा कि आपके पास जो भी बचा हुआ समय है उसका उपयोग थोड़ी सूझबूझ से किया जाए तो उपलब्ध साधनों से ही घर को स्वच्छ, सुन्दर और सुसज्जित बनाया जा सकता है। समय का उपयोग करने के साथ सूझ-बूझ इसलिए आवश्यक है कि स्वच्छता और गृहसज्जा एक कला है।

जरा प्यार से परोसिए

भारतीय संस्कृति में अतिथि को भगवान का दर्जा दिया गया है। उसके सत्कार को बड़ा महत्वपूर्ण माना गया है। उसके आदर-सत्कार में कोई कमी न रह जाए, इसके लिए गृहिणी जी-जान से एक से एक स्वादिष्ट व्यंजन बनाने का प्रयास करती है।

- खाने की मेज साफ-सुथरी होनी चाहिए। सारा सामान करीने से रखा होना चाहिए।
- टेबल पर साफ-सुथरे मैट बिछे होने चाहिए। मैट पर दाईं ओर बड़ी प्लेट और बायीं ओर छोटी प्लेट रखी होनी चाहिए।
- बीचो-बीच कांच के गिलास में या स्टैंड में पेपर नैपकीन रख दें।
- टेबल के बीच में लंबा मैट बिछाकर उस पर सब्जी के डोंगे, रायता, सलाद, अचार, चटनी वगैरहा रखें।
- ग्रेवी वाली सब्जी के लिए कटोरियां जरूर रखें।
- भोजन सामग्री ढक कर रखें ताकि जल्दी ठंडी न हो।
- बड़े ही प्रसन्न चित्त से मेहमानों से भोजन करने का आग्रह करें।
- बीच-बीच में ध्यान रखें कि डोंगे में कोई सब्जी या अन्य भोज्य सामग्री खत्म तो नहीं हो गयी है। ऐसा होने पर उसे फौरन भर दें।
- आखिर में स्वीट डिश सर्व करें और उसे केसर, काजू, पिस्ता से सजाना न भूलें।
- खाना खा चुकने के बाद तहे-दिल से मेहमानों का शुक्रिया अदा करें और उन्हें कहें कि उनका सत्कार कर वे धन्य हो गए।

आजकल मॉड्यूलर किचन बहुत लोकप्रिय हो रहे हैं। मॉड्यूलर किचन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह इस प्रकार से डिजाइन किया जाता है कि छोटी जगहों में करीने से एवं अधिक से अधिक सामान रखा जा सके।

मॉड्यूलर किचन का बढ़ता चलन

हर गृहणी की पहली इच्छा होती है उसके घर का किचन उसकी इच्छा के अनुरूप सुव्यवस्थित तरीके से बनाया जाए। किचन कई तरह से बनाए जाते हैं। इन्हीं में से एक बहुप्रचलित है 'माड्यूलर किचन'। इसकी प्रमुख विशेषताएं ये हैं कि यह आकर्षक, सुसज्जित एवं साफ-सुथरा दिखता है।

ज्यादा तोड़-फोड़ की जरूरत नहीं

इस तरह का किचन बनवाने के लिए घर में तोड़-फोड़ की जरूरत नहीं पड़ती। इस तरह का किचन 800 रुपए प्रतिवर्ग फुट के हिसाब से बनता है। अलग-अलग यूनिट के उपकरण लगाए जाते हैं। जिस दिन रसोईघर बनकर तैयार होता है, उसी दिन से खाना पकाने का काम शुरू किया जा सकता है। किचन बनवाने से पहले निम्न बातों का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए-

- किचन निर्माण में जो भी सामान इस्तेमाल किया गया है, वह पानी और आग-रोधक हो।
- जो भी हार्डवेयर्स इस्तेमाल में लाएं जैसे हैंडल, ड्रायर स्लाइड्स इत्यादि सभी अच्छी क्वालिटी के हों।
- रसोईघर में सामान रखने के लिए भरपूर स्टोरेज स्पेस हो।
- रखरखाव आसान हो। बेस यूनिट बाहर निकलने वाली या ट्रॉलीनुमा हो, जिससे उनकी सफाई आसानी से की जा सके।
- किचन का स्लैब या प्लेटफार्म आपकी लंबाई के अनुसार हो, न अधिक ऊंचा और न अधिक नीचा। दोनों ही स्थिति में थकावट अधिक होगी।
- डिश वॉशर के नीचे एक प्लेटफार्म बनाएं, जिससे वह लगभग 6 इंच ऊंचा हो जाए। इससे बर्तन धोते समय कमर पर जोर नहीं पड़ेगा।
- किचन में फ्रिज, कुकिंग रेंज और सिंक पास ही हों। ये तीनों ही अत्यधिक प्रयोग में आने वाले आइटम हैं। यदि इनके बीच दूरी अधिक होगी तो आप अनावश्यक रूप से थकेंगी।

नाप के अनुसार होता है डिजाइन

रसोईघर के नाप के अनुसार और ग्राहक की जरूरत के अनुसार मॉड्यूलर किचन बनाए जाते हैं, जो कि लेमिनेटेड पार्टीकल बोर्ड से बने होते हैं। ये मजबूत और टिकाऊ तो होते ही हैं, साथ ही इनमें सफाई भी आसानी से होती है और दीमक व कॉकरोच की समस्या भी नहीं होती। इसमें बर्तन के लिए निश्चित जगह होती है, जैसे भारी बर्तन के लिए रोलिंग स्टैंड, हल्के बर्तन के लिए अलग स्टैंड, सिंक यूनिट, बड़े डिब्बों के लिए बड़ी और छोटे डिब्बों के लिए कम जगह वाली यूनिट।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस का संक्रमण नर्सिंग होम तक फैला, 11 लोग हुए संक्रमित

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन का कहना है कि देश के दूसरे सबसे बड़े शहर में कोरोना वायरस संक्रमण नर्सिंग होम तक फैल गया है। विक्टोरिया प्रांत की राजधानी मेलबर्न में क्लस्टर (संक्रमण क्षेत्र) मिलने के बाद यहां शुक्रवार से एक सप्ताह का लॉकडाउन लागू किया गया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को और 11 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि की। नए मामलों में मेलबर्न स्थित आरकेयर मेडस्टोन एज्ड केयर फैसिलिटी के 90 वर्षीय निवासी और एक कर्मचारी के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इससे पहले रविवार को भी एक कर्मचारी के संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। कर्मचारी पिछले सप्ताह मेलबर्न स्थित ब्लूक्रॉस वेस्टर्न गार्डन्स नर्सिंग होम में काम कर रहा था और उसका टीकाकरण नहीं हुआ था। संक्रमण की खबर के बाद नर्सिंग होम भी लॉकडाउन में है। स्वास्थ्य मंत्री मार्टिन फोली ने वृद्धाश्रमों में संक्रमण के फैलने की खबर को विक्टोरिया की सरकार के लिए चिंता का विषय बताया है। विक्टोरिया में कोरोना वायरस संक्रमण से हुई मौतों में से ज्यादातर नर्सिंग होम में हुए हैं।

फरवरी से लापता था सिख युवक, पाकिस्तान के एक गांव में मिला

पेशावर। पाकिस्तान में फरवरी से लापता एक सिख युवक को पुलिस ने देश के पश्चिमोत्तर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक गांव से बरामद किया है। उसका अपहरण उनके घर से कर लिया गया था। अविनाश सिंह 28 फरवरी को पेशावर कैंट के गुलबर्ग इलाके से लापता हो गया था। उसकी उम्र 20 वर्ष के आसपास है। पुलिस के मुताबिक, सिंह कोहाट जिले के लाची तहसील के पास एक गांव में पाया गया। उन्होंने बताया कि अपहर्ताओं ने उसका बुरी तरह उत्पीड़न किया था इसलिए उसे पेशावर के लेडी रीडिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपहरण में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें एक महिला भी शामिल है। उसके पिता ने मामला दर्ज कराया था। सिंह के परिवार के सदस्यों ने बताया कि अपहर्ताओं ने उसके साथ मारपीट की। पेशावर के एसएसपी (अभियान) यासीर आफरीदी और एसपी सिटी अतीक शाह ने अस्पताल में सिंह से मुलाकात की और उसके स्वास्थ्य का जायजा लिया। आफरीदी ने कहा कि मामले में सभी औपचारिकताओं को पूरा किया जाएगा।

भारत में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के कारण बांग्लादेश ने सीमाएं बंद करने की समय सीमा बढ़ाई

ढाका। बांग्लादेश ने भारत में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए देश के साथ लगती सीमाओं को 14 और दिनों के लिए बंद कर दिया है। बहरहाल, विदेश मंत्रालय ने बताया कि सीमा से माल ढुलाई जारी रहेगी। भारत में कोरोना वायरस की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए सबसे पहले 26 अप्रैल को सीमाओं को सील किया गया था। कोरोना वायरस के बी.1.617.2 प्रकार के छह मामले आने के बाद बांग्लादेश ने आठ मई को यात्रा प्रतिबंध 14 और दिनों के लिए बढ़ा दिया था। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा, ''हमने इसे (भारत के साथ यात्रा प्रतिबंध) 14 और दिनों के लिए बढ़ा दिया है और आगे स्थिति का आकलन करेंगे।''

चांद के आठ स्थानों पर होगा चीनी नाम! अंतरराष्ट्रीय खगोल संघ ने दी नाम रखने की अनुमति

बीजिंग। अंतरराष्ट्रीय खगोल संघ (आईएयू) ने चांद पर आठ स्थानों के चीनी नाम रखने की अनुमति दे दी है। चीनी के अंतरिक्ष यान 'चांग ई-5' पिछले साल इन स्थानों पर उतर कर चांद की सतह से नमूने एकत्र कर पृथ्वी पर वापस लौटा था। 'चांग-ई-5' अंतरिक्षा अभियान, किसी खगोलीय पिंड से नमूने एकत्रित करने की चीन की पहली पहल थी। अमेरिका द्वारा नमूने एकत्र करने के लिए चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने के बाद 40 से अधिक वर्षों बाद चांद की सतह से नमूने लाने का यह पहला प्रयास था। आईएयू ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, '' ग्रह प्रणाली के नाम रखने के लिए आईएयू के कार्यकारी समूह ने 'चांग ई-5' जहां उतरा था, उसके आसपास आठ स्थानों को चीनी नाम देने की अनुमति दी गई है। ये नाम हैं, मॉन्स हुआ, मॉन्स हेंग, पई शीउ, लईउ हुई, सॉन्ग यिंगशिंग, स्टेटिओ तिआनचुआन और शू गुआनकी हैं।

चीन ने कोरोना वायरस मामलों के बाद ग्वांगदोंग में यात्रा प्रतिबंध पुन: लागू किए

बीजिंग। चीन ने दक्षिणी प्रांत ग्वांगदोंग में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामले सामने आने के बाद सोमवार को यात्रा प्रतिबंध फिर से लागू कर दिए। चीनी प्राधिकारियों ने घोषणा की कि ग्वांगदोंग से जाने वाले लोगों के लिए कोरोना वायरस संबंधी जांच कराना अनिवार्य होगा। हांगकांग की सीमा से सटे ग्वांगदोग में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 20 नए मामले सामने आए हैं और ये लोग घरेलू स्तर पर ही संक्रमित हुए हैं। ग्वांगदोंग में संक्रमण के नए मामले दुनिया के अन्य देशों की तुलना में कम हैं, लेकिन इन मामलों ने चीनी प्राधिकारियों को सचेत कर दिया था, जिन्हें लगा था कि बीमारी अब काबू में है। प्रांतीय सरकार ने घोषणा की कि विमान, ट्रेन, बस या निजी कार से सोमवार रात 10 बजे के बाद ग्वांगदोंग से जाने वाले लोगों को पिछले 72 घंटे में कराई गई जांच की रिपोर्ट दिखानी होगी। उसने कहा कि मुख्य सड़कों पर ट्रक चालकों के लिए जांच केंद्र बनाए जाएंगे।

चीन की लैब से लीक हुआ कोरोना? क्या है वुहान लैब का चाइनीज मिलिट्री कनेक्शन

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना की उत्पत्ति की जांच को लेकर चीन पर लगातार दवाब बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक की वैज्ञानिक भी इस महामारी की जड़ तक पहुंचने की कोशिश में लगे हुए हैं। लेकिन चीन के वुहान लैब से कोरोना के जन्म का दावा एक बार फिर से चर्चा में है। ब्रिटिश खुफिया एजेंसियों का भी अब मानना है कि ऐसा संभव है कि कोविड-19 महामारी चीन की प्रयोगशाला से कोरोना वायरस के लीक होने से फैली हो। वहीं अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने भी कहा कि वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलाजी अपनी सिविलियन रिसर्च के साथ-साथ सैन्य गतिविधियों में भी शामिल है। इसके साथ वुहान लैब का चाइनीज मिलिट्री कनेक्शन भी सामने आ रहा है।

चीन की लैब से लीक हुआ कोरोना?

ब्रिटिश खुफिया एजेंसियों का भी अब मानना है कि ऐसा संभव है कि कोविड-19 महामारी चीन की प्रयोगशाला से कोरोना वायरस के लीक होने से फैली हो। एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया। उसके बाद ब्रिटेन के टीका मंत्री नाधिम ज़हावी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से इस घातक वायरस की उत्पत्ति के संबंध में पूर्ण जांच की मांग उठायी। कोविड-19 की उत्पत्ति व्यापक बहस का मुद्दा रही है। कई वैज्ञानिक एवं नेता इस घातक वायरस के प्रयोगशाला से फैलने की संभावना जता चुके हैं। सूत्रों के हवाले से द संडे टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि शुरुआत में ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियों का विचार था कि इस बात की बेहद कम संभावना है कि कोरोना वायरस इस प्रयोगशाला से लीक हुआ, जहां चमगादड़ों में पाए जाने वाले वायरस पर अनुसंधान किया जाता है और यह वायररसकोविड-19 के वायरस से काफी मिलता -जुलता है। संडे टाईम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, लेकिन अब इसको लेकर दोबारा आकलन किए जाने के बाद इस बात की संभावना को बल मिला है कि ये वायरस किसी प्रयोगशाला से निकलकर दुनिया में फैला।इस रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला दिया गया है। चीन की वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलोजी वुहान के उस सीफुड मार्केट के पास ही है जहां 2019 में यह वायरस सामने आया और महामारी का रूप ले लिया।

रिसर्च के साथ सैन्य गतिविधियों में भी शामिल वुहान लैब

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने कहा कि वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलाजी अपनी सिविलियन रिसर्च के साथ-साथ सैन्य गतिविधियों में भी शामिल है। पोम्पियो ने मीडिया से कहा कि हम जानते हैं कि उस लैब के अंदर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से संबंधित काम हो रहे हैं। उन्होंने ये भी दावा किया कि लैब में नागरिक शोध के नाम पर सैन्य गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि चीन ने किसी भी प्रकार की जानकारी देने से इनकार कर दिया था। यहां तक की डब्ल्यूएचओ की टीम ने वहां जाने की कोशिश की तो चीन ने इसकी इजाजत नहीं दी। जिसकी वजह से डब्ल्यूएचओ की टीम को बिना सबूतों की वजह से वापस लौटना पड़ा।

वुहान लैब का चाइनीज मिलिट्री कनेक्शन

द डेली मेल में छपी रिपोर्ट के मुताबिक वुहान लैब में चीनी आर्मी के सीनियर ऑफिसर और साइंटिस्ट भी काम करते थे। वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में बैट वुमन शी जेंगली और काओ वुंचुन काम करते थे। काओ वुंचुन चीनी आर्मी में सीनियर पद पर हैं और बायो टेररिज्म पर सरकार के एडवाइजर हैं। काओ वुंचुन पीएलए की एकेडमी ऑफ मिलिट्री साइंस का रिसर्चर है और दूसरे मिलिट्री साइंटिस्ट के साथ भी काम करता है। काओ वुंचुन वुहान लैब की एडवाइजरी टीम में भी शामिल है। कोरोना से लड़ने के लिए वुहान गई मिलिट्री टीम और वैक्सीन तैयार करने वाली टीम का भी काओ वुंचुन प्रमुख सदस्य था। बैट वुमन शी जेंगली को जनवरी 2021 में एंडवास्ड वर्कर ऑफ द चाइनिज एकेडमी ऑफ साइंसेस पुरस्कार दिया गया। हैरान करने वाली बात ये है कि शी जेंगली ने वुहान लैब में चीनी सेना के काम करने का दावा सिरे से खारिज कर दिया।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया से मिसाइल निर्माण पाबंदी हटाने के फैसले की निंदा की, कही यह अहम बात

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि अमेरिका ने दक्षिण कोरिया को अधिक शक्तिशाली मिसाइलों के निर्माण की इजाजत दी है जो उत्तर कोरिया के खिलाफ उसकी शत्रुतापूर्ण नीति का उदाहरण है। उसने चेतावनी दी कि इससे कोरियाई प्रायद्वीप में ''विकट और अस्थिर हालात'' बन सकते हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के नेताओं के बीच 21 मई को हुए शिखर सम्मेलन के बाद उत्तर कोरिया की यह पहली प्रतिक्रिया है। शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका ने दक्षिण कोरिया के मिसाइल निर्माण पर दशकों से लगे प्रतिबंध को खत्म कर दिया था और अपने सहयोगी देश को असीमित दूरी की मिसाइल के निर्माण की इजाजत दी थी।

उत्तर कोरिया के प्रति शत्रुतापूर्ण अमेरिकी नीति का ये आरोप मायने रखता है क्योंकि उत्तर कोरिया ने कहा है कि वह बातचीत नहीं करना चाहता और जब तक अमेरिका का शत्रुतापूर्ण रवैया जारी रहेगा तब तक वह अपने परमाणु हथियार के जखीरे में इजाफा करता रहेगा। हालांकि उत्तर कोरिया के हालिया बयान को सरकारी बयान नहीं बल्कि व्यक्तिगत बयान माना जा रहा है जो इस बात का संकेत है कि उत्तर कोरिया जो बाइडन प्रशासन के साथ संभावित कूटनीति के लिए दरवाजे खुले रखना चाहता है।

आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार किम मायोगं चोल ने कहा, ''पाबंदी हटाने का कदम (उत्तर कोरिया के प्रति) अमेरिका की शत्रुतापूर्ण नीति और मुद्दे से निपटने के उसके दोहरे रैवये की याद दिलाता है।'' उन्होंने कहा, ''अमेरिका ने गलती की है। कोरियाई प्रायद्वीप और उसके आस पास असंतुलन पैदा कर (उत्तर कोरिया पर) दबाव डालना एक गंभीर गलती है और इसके कारण कोरियाई प्रायद्वीप, जहां पहले ही युद्ध जैसी परिस्थितियां बनी हुई हैं, वहां गंभीर और अस्थिर हालात पैदा हो सकते हैं।'' अमेरिका ने इससे पहले प्रायद्वीप में हथियार निर्माण की होड़ पर चिंता जताते हुए दक्षिण कोरिया पर 800 किलोमीटर से अधिक दूरी के मिसाइल निर्माण पर प्रतिबंध लगाया था। दक्षिण कोरिया के कुछ पर्यवेक्षकों ने अमेरिका के इस कदम की प्रशंसा की है और इसे सैन्य संप्रभुता बहाल करने वाला कदम बताया है। वहीं, अन्य ने इसे चीन से प्रतिद्वंद्विता के जवाब में अपने सहयोगी की सैन्य क्षमता बढ़ाने के इरादे से उठाया गया अमेरिकी कदम बताया है। दक्षिण कोरिया की सरकार ने कहा कि वह उत्तर कोरिया की हरकतों पर सावधानी से नजर रखे हुए है।

कोविड-19 से निपटने के लिए लोकतंत्रों के तत्काल एकसाथ आने की जरूरत: राजा कृष्णमूर्ति

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारतवंशी अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने रविवार को कहा कि कोविड-19 से निपटने के लिए हमारे लोकतंत्रों को एकसाथ आने की तत्काल जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को टीके संबंधी सहायता देने का अपना वादा अमेरिका पूरा करे तथा उसे और मदद भी मुहैया करवाए। उन्होंने कहा कि नैतिकता एवं करुणा की राह पर चलते हुए विश्व स्तर पर सामूहिक प्रतिरक्षा (हर्ड इम्युनिटी) हासिल करना ही उचित होगा।

कृष्णमूर्ति ने कहा, ''मैं भारत में किसी भी राजनीतिक दल, व्यक्ति, या समूह, जैसे भाजपा, कांग्रेस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सोनिया गांधी, आरएसएस या किसी भी अन्य भारतीय संगठन या व्यक्ति के विचारों का समर्थन या उनका प्रचार नहीं करता हूं। मैं इनसे जुड़ा हुआ भी नहीं हूं।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी के खात्मे के लिए यह बहुत आवश्यक है कि अमेरिका, भारत और दुनियाभर में सभी को टीके लगाए जाएं, यह सभी लोगों के हित में हैं। इलिनॉयस से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की हालिया अमेरिका यात्रा '' मौजूदा वैश्विक महामारी से निपटने, भारत को टीके संबंधी सहायता मुहैया कराने के अमेरिकी वादे को पूरा करने और अतिरिक्त सहयोग कायम करने के लिए लोकतंत्रों के तत्काल साथ आने की आवश्यकता की ओर एक बार फिर ध्यान आकर्षित करती है।'' कृष्णमूर्ति ने कहा कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टीका वितरण के प्रयासों को बढ़ाने की लगातार अपील कर रहे हैं, जिससे वैश्विक महामारी से गंभीर रूप से प्रभावित भारत और अन्य देशों की मदद की जा सके। सांसद ने कहा, '' इसलिए मैं जल्द ही 'नलिफाइंग अपॉच्युनिटीज फॉर वैरिएंट टू इन्फेक्ट एंड डेसीमेट (नोविड) अधिनियम का प्रस्ताव पेश करूंगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय प्रयासों, सहायता बढ़ाने, निजी क्षेत्र में उत्पादन के विस्तार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाते हुए विश्व स्तर पर टीकाकरण की दर 60 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी।'' उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से लोगों की जिंदगी बचाने के साथ ही उस अंतरराष्ट्रीय नींव के निर्माण में भी मदद मिलेगी, जो वैश्विक महामारी से निपटने के लिए जरूरी है।

स्मिर्ना में विमान दुर्घटनाग्रस्त, टार्जन फिल्म अभिनेता समेत 7 लोगों की मारे जाने की आशंका

स्मिर्ना (अमेरिका)। (एजेंसी)।

अमेरिका में टेनेसी स्थित झील में शनिवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में अभिनेता जो लारा भी सवार थे। लारा समेत विमान में सवार सात लोगों के हादसे में मारे जाने की आशंका है। लारा ने नब्बे के दशक में टेलीविजन धारावाहिक 'टार्जन' में इसी किरदार को निभाया था। रदरफोर्ड काउंटी के 'फायर रेस्क्यू' कैप्टन जॉन इंगल ने एक बयान में बताया कि स्मिर्ना के पास पर्सी प्रीस्ट झील में तलाश एवं बचाव अभियान अब भी जारी है। काउंटी अधिकारियों ने बताया कि इन सात लोगों की पहचान ब्रैंडन हन्ना, ग्वेन एस लारा, विलियम जे लारा, डेविड एल मार्टिन, जेनिफर जे मार्टिन, जेसिका वॉल्टर्स और जॉनाथन वाल्टर्स के तौर पर हुई है और ये सभी टेनेसी के ब्रेंटवुड के निवासी थे। परिवार वालों से पुष्टि करने के बाद इनके नाम सार्वजनिक किए गए हैं।

जो लारा, टीवी के धारावाहिक 'टार्जनः द एपिक एडवेंचर्स' में टार्जन की भूमिका में नजर आए थे। उनकी पत्नी ग्वेन एस लारा भी विमान में सवार थीं। संघीय विमानन प्रशासन ने एक बयान में बताया था कि स्मिर्ना रदरफोर्ड काउंटी हवाईअड्डे से शनिवार दोपहर 11 बजे उड़ान भरने के बाद 'सेसना सी501' विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर स्मिर्ना के पास पर्सी प्रीस्ट झील में गिर गया। विमान स्मिर्ना रदरफोर्ड काउंटी हवाईअड्डे से पाम बीच अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर जा रहा था। टेनेसी राजमार्ग गश्त दल ने समाचार संस्थानों को बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों ने विमान को पानी में गिरते देखा था। घटनास्थल पर राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड और एफएए दोनों मौजूद हैं। स्मिर्ना नैशविले के 32 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित है। पर्सी प्रीस्ट एक जलाशय है जिसका निर्माण जे. पर्सी प्रीस्ट बांध के कारण हुआ। यह नौकायान और मछली पकड़ने की लोकप्रिय जगह है।

इमरान खान ने कहा, अगर भारत कश्मीर की पुरानी स्थिति बहाल करे तो पाकिस्तान बातचीत को तैयार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि अगर भारत जम्मू-कश्मीर की पांच अगस्त, 2019 से पहले वाली स्थिति बहाल करे तो उनका देश नयी दिल्ली से वार्ता को तैयार है। भारत ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद-370 को निष्प्रभावी कर दिया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था। इमरान खान ने लोगों के साथ सवाल-जवाब सत्र में कहा, ''अगर पाकिस्तान (कश्मीर का पुराना दर्जा बहाल किए बिना)भारत के साथरिश्तों को फिर से बहाल करता है, तो यह कश्मीरियों से मुंह मोड़ने जैसा होगा।'' उन्होंने कहा कि अगर भारत पांच अगस्त के कदम को वापस लेता है तो ''हम निश्चित तौर पर बात कर सकते हैं।'' हालांकि, भारत कई मौकों पर स्पष्ट कर चुका है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और देश अपनी समस्याओं को खुद सुलझाने में सक्षम है। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि उसकी इच्छा पड़ोसी देश से आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा से मुक्त महौल में सामान्य रिश्ते रखने की है। भारत ने कहा है कि यह पाकिस्तान की जिम्मेदारी है कि वह आतंकवाद और विद्वेष मुक्त महौल बनाए। इस सत्र में खान ने महंगाई सहित घरेलू मुद्दों से जुड़े कई सवालों के भी जवाब दिये।

11 दिनों के खूनी संघर्ष के खत्म होने के बाद इजराइल और मिस्र के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता

काहिरा। इजराइल और चरमपंथी समूह हमास के बीच 11 दिनों तक चली लड़ाई के बाद हुए संघर्ष विराम को मजबूती देने और गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिये मिस्र और इजराइल में उच्चस्तरीय वार्ताएं हुईं। इस लड़ाई में 250 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर फलस्तीनी नागरिक थे। मिस्र के विदेश मंत्री समी शकरी ने रविवार को काहिरा पहुंचे इजराइली समकक्ष गाबी अश्केनाजी के साथ बैठक की। बीते एक दशक में इजराइली विदेश मंत्री की काहिरा की यह पहली सार्वजनिक यात्रा है। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। काहिरा में स्थित इजराइल दूतावास ने ट्वीट किया कि 2008 के बाद इजराइल के किसी शीर्ष राजनयिक के तौर पर अश्केनाजी की यह पहली यात्रा है। दूतावास ने लिखा कि दोनों मंत्रियों ने संघर्ष विराम और हमास द्वारा पकड़े गए इजराइली सैनिकों व नागरिकों को रिहा किये जाने के मुद्दों पर चर्चा की। अश्केनाजी ने काहिरा पहुंचने के बाद ट्वीट किया, हम हमास के साथ स्थायी संघर्ष विराम तथा गाजा को मानवीय मदद पहुंचाने और उसके पुनर्निर्माण के लिये तंत्र तैयार करने पर चर्चा करेंगे, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हमास ने 2014 में हुए युद्ध में मारे गए दो इजराइली सैनिकों के अवशेष नहीं लौटाए हैं और गाजा में दाखिल होने के बाद पकड़े गए दो इजराइली नागरिकों को अभी रिहा नहीं किया है। इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संघर्ष विराम के प्रयासों के तहत यरूशलम में मिस्र के खुफिया प्रमुख अब्बास कामिल से मुलाकात की। नेतन्याहू ने कहा कि मुलाकात के दौरान उन्होंने सैनिकों के अवशेष और दो नागरिकों को लौटाने और हमास को मजबूत होने से रोकने या आम नागरिकों को दी जाने वाली मदद को हमास द्वारा हासिल करने से रोकने का मुद्दा उठाया। मिस्र के एक अधिकारी ने कहा कि कामिल वेस्ट बैंक में फलस्तीनी अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। इसके बाद वह हमास के नेताओं से बात करने के लिये गाजा जाएंगे। अधिकारी ने कहा कि कामिल फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास को मिस्र के राष्ट्रपति का संदेश पहुंचाएंगे कि मिस्र फलस्तीनीलोगों का पूरा समर्थन करता है।

कोरोना महामारी ने ब्रिटेन में बढ़ाई खाने की कमी, 84 लाख लोगों के पास नहीं पर्याप्त भोजन

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटेन के लगभग 84 लाख लोगों को अपने लिए पर्याप्त खाना जुटाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, जो ब्रिटेन को लातविया और हंगरी जैसे देशों के बराबर खड़ा कर देता है। इस स्थिति को खाद्य असुरक्षा कहा जाता है और यह 2008 के वित्तीय संकट और उसके बाद के दशक की मितव्ययिता के बाद से बढ़ रहा है। लेकिन पिछले एक साल में, कोविड-19 ने हालात और खराब कर दिए हैं। महामारी के कारण, पहले से कहीं अधिक लोगों के पास खाने के लिए पर्याप्त नहीं है। शुरुआती आंकड़े 2018 की तुलना में 2020 में खाद्य असुरक्षा के चौगुने होने की तरफ इशारा करते हैं। यह खाने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं होने से लेकर, भोजन तक पहुंच होने में कठिनाइयों, वास्तव में भूखा होने की चिंता से जुड़ा है।

''सामान्य'' हालात में, इस तरह की खाद्य असुरक्षा का जोखिम समाज के सबसे कमजोर तबके को झेलना पड़ता था। इसमें कम आय वाले या गरीबी में रहने वाले और किसी तरह के सहायता नेटवर्क से वंचित लोग शामिल हैं। महिलाओं को विशेष रूप से खाद्य असुरक्षा का खतरा होता है क्योंकि वे एकल अभिभावक वाले अधिकांश घरों (86त्न) की प्रमुख होती हैं, जो ब्रिटेन में ट्रस्सेल ट्रस्ट भोजन बैंक की सबसे बड़ी उपयोगकर्ताओं हैं। यूडब्ल्यूएस-ऑक्सफैम भागीदारी के लिए किए गए हमारे हालिया शोध में, हमने पता लगाया कि कैसे महामारी ने ब्रिटेन में खाद्य असुरक्षा के पैमाने को बढ़ा दिया है। हमने इस दौरान स्कॉटलैंड के चार समूहों पर ध्यान केंद्रित किया। यह समूह हैं- बेघर, युवा देखभालकर्ता, शरण चाहने वाले और विकलांग लोग। इन समूहों को सामान्य समय में भी पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं रहने का खतरा अधिक होता है। हमने कोविड-19 पर उभरते आंकड़ों और शोध के साथ साथ महामारी के कारण पूरे ब्रिटेन में खाद्य असुरक्षा पर पड़े प्रभाव को भी देखा।

खाद्य असुरक्षा हमारे अपने और मौजूदा शोध के माध्यम से, हमने यह पता लगाया कि संकट के दौरान मुख्यतः तीन कारणों से खाने की कमी बढ़ जाती हैं:1. बढ़ती जरूरत,जो मुख्य रूप से आमदनी न होने या इससे कमी से जुड़ी है। 2. भोजन तक पहुंच हासिल करने में नई और बढ़ती चुनौतियां। 3. खाद्य बैंकों के संचालन पर लॉकडाउन का असर। हमने विकलांग, बेघर, युवा देखभालकर्ताओं और शरण चाहने वालों की मदद करने वाले संगठनों से जुड़े लोगों से इस बारे में बात की कि कैसे महामारी ने घरेलू वित्तीय प्रणाली को प्रभावित किया। कई युवा देखभालकर्ताओं को लॉकडाउन के कारण रोजगार का तत्काल नुकसान हुआ। क्योंकि वे अक्सर कम वेतन और आकस्मिक रोजगार से जुड़े होते हैं, उन्हें छुट्टियों में वेतन मिलने जैसी योजना का लाभ नहीं मिलता। इसी के साथ, जीने की कीमत भी बढ़ गई। बाहर निकलने पर लगी बंदिशों ने उन दुकानों तक जाना दूभर कर दिया जहां सस्ता भोजन मिलता था। इसलिए स्थानीय स्तर पर खरीदारी करने में पैसा कम पड़ गया। विकलांग लोग - विशेष रूप से जिन्हें बसेरो भीतर रहने के लिए कहा गया था - ऑनलाइन खरीदारी पर अधिक निर्भर हो गए। सामान पहुंचने में लंबा वक्त लगा और विकलांग लोगों के पास इंटरनेट तक पहुंच होने की संभावना कम होती है, घरों तक सामान पहुंचाने की सेवाएं भी अतिरिक्त लागत के साथ आती हैं। ग्लासगो में शरण चाहने वालों की संख्या ब्रिटेन में सबसे ज्यादा है और अधिकांश को महामारी की शुरुआत में होटलों में या रहने की पूर्ण सुविधा देने वाले आवासों में स्थानांतरित कर दिया गया। इसका मतलब है कि उन्होंने अपनी सीमित नकदी पात्रता खो दी, वे होटल के भोजन पर निर्भर थे और स्वास्थ्य या सांस्कृतिक कारणों से उन्हें जो भोजन चाहिए था वह उसे खरीद पाने में असमर्थ थे। लॉकडाउन चुनौतियां कोविड-19 ने महामारी की स्थिति में ब्रिटेन की खाद्य प्रणाली की कमियों को उजागर किया। 2020 के शोध में उल्लेख किया गया कि ब्रिटेन की खाद्य प्रणाली पर ''जरूरत के समय खरीदारी'' आपूर्ति श्रृंखलाओं का एकाधिकार था, जो महामारी के पहले हफ्तों में सामान के भंडारण और डर के मारे की गई अधिक खरीदारी के कारण दबाव में आ गई। लॉकडाउन ने ब्रिटेन की आपातकालीन खाद्य सहायता प्रणाली की कमजोरी और खाद्य बैंक बंद होने के विनाशकारी परिणामों को भी उजागर कर दिया। दूसरे शब्दों में, महामारी ने दिखाया कि भोजन तक पहुंच की समस्याएं कितनी जल्दी सामने आ सकती हैं। स्थानीय अधिकारियों ने भोजन से वंचित लोगों के घरों में खाने के डिब्बे पहुंचाए, लेकिन गुणवत्ता, मात्रा और विश्वसनीयता के मामले में इन्हें मिश्रित सफलता मिली। हमने पाया कि कई बेघर और विकलांग लोगों के पास गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों के बावजूद आधिकारिक तौर पर बसेरे में रह पाने का दर्जा नहीं था, जिसका अर्थ था कि उन्हें भोजन की आपूर्ति की योजनाओं से बाहर रखा गया था। इन सभी मुद्दों से पता चलता है कि कैसे पहुंच और आय की चुनौतियां उन लोगों के लिए भोजन की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डालती हैं जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है। बढ़ती खाद्य असुरक्षा का सीधा सीधा मतलब खाद्य सहायता की मांग में वृद्धि से जुड़ा था, लेकिन सामाजिक दूरी और लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए खाद्य बैंकों को बंद करने या उनका पुनर्गठन करने के लिए मजबूर किया गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जिसे दो बेटियां पापा कहती थीं, वही उनका यौन शोषण करता रहा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

राजकोट एक शख्स अपनी सौतेली बेटियों के साथ कई वर्षों से दुष्कर्म कर रहा था। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब बड़ी बहन ससुराल से मायके लौटी तब छोटी बहन ने अपने सौतेले पिता के करतूतों की शिकायत की। छोटी बहन से सौतेले पिता की करतूतें सुनकर बड़ी बहन का दिल कांप उठा और वह तुरंत पुलिस थाने पहुंच गई। जहां सौतेले पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक करीब 14 साल पहले विवाहिता के पति की मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद दो बेटियों की माता ने एक शख्स से शादी कर ली। शादी के बाद दो बेटियों के साथ महिला अपने दूसरे पति के घर रहने लगी। दोनों बेटियां भी उसे पापा कहने लगीं। तीन साल पहले आरोपी बड़ी बेटी के पास पहुंच गया और उसका मुंह दबाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। साथ ही किसी को कहने पर जान से मारने की धमकी भी दी। धमकी से

डरी युवती ने किसी को कुछ नहीं बताया। जिससे आरोपी के हौसले बढ़ते गए और जब मौका मिलता वह अपनी सौतेली बेटी के साथ दुष्कर्म करने लगा। इसी महीने बड़ी बेटी की शादी हो गई और वह अपने ससुराल चली गई। दो दिन पहले युवती अपने मायके आई तब 14 साल की छोटी बहन ने सौतेले पिता की करतूतों की शिकायत की। जिसे सुनकर युवती का दिल कांप उठा और वह अपनी मां को बताए बगैर पुलिस थाने पहुंच गई। जहां अपने सौतेले पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया है।

शादी का झांसा देकर युवक 6 महीने पहले नाबालिग को भगा ले गया, गर्भवती होने पर छोड़ दिया

क्रांति समय दैनिक

सूरत शहर के पांडेसरा क्षेत्र में रहनेवाली 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर उधना का एक युवक छह महीने पहले भगा ले गया था। इस दौरान युवक ने जबरन लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई। लड़की ने जब शादी की बात की तो युवक ने उसे छोड़ दिया। घर लौटने के बाद लड़की के पिता ने युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जानकारी के मुताबिक सूरत के उधना क्षेत्र की हरिनगर सोसायटी में एक परिवार किराये पर रहता था। बाद में परिवार ने मकान बदला और निखिल ओमप्रकाश शर्मा के ऊपर किराये पर रहने लगा। इस कारण निखिल और परिवार के बीच पारिवारिक संबंध हो गए और निखिल की किरायेदार के घर में आवाजाही बढ़ गई। हांलाकि हरिनगर सोसायटी में पानी की किल्लत होने की वजह से परिवार दूसरा मकान ढूंढने लगा। निखिल ने परिवार की मदद की और पांडेसरा क्षेत्र में एक मकान किराये पर दिलवा दिया। परिवार के पांडेसरा शिफ्ट हो जाने के बावजूद निखिल का उसके यहां आना जारी रहा। दरअसल उसकी नजर परिवार की 17 वर्षीय नाबालिग लड़की पर थी।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

निखिल ने लड़की को प्रेमजाल में फांस कर उसे शादी का झांसा दिया और छह महीने पहले उसे लेकर भाग गया। छह महीने तक निखिल लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा, जिससे वह गर्भवती हो गई। गर्भवती होने पर लड़की ने निखिल पर शादी करने का दबाव डाला। इस पर निखिल ने उसे धमकी दी और उसे छोड़ दिया। निखिल के साथ छोड़ देने से लड़की अपने माता-पिता के घर पहुंच गई और आपबीती सुनाई। जिसे सुनकर माता-पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। बाद में पांडेसरा पुलिस थाने में निखिल शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है।

रात्रिकालीन कर्फ्यू के दौरान युवकों ने बेरिकेटिंग के निकट मनाया जश्न

क्रांति समय दैनिक

राज्य में कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ और कुछ लोग बेखौफ होकर जैसे जश्न मनाने में लगे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें कुछ युवक रात्रि के दौरान कार की रोशनी में बेरिकेटिंग के निकट डांस कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो कहां फिलहाल इसका पता नहीं है। गुजरात में कोरोना संक्रमण रोकने के मकसद से राज्य के 8 महानगर समेत 36 शहरों में रात्रिकालीन कर्फ्यू समेत कई प्रतिबंध लागू है। राज्य में कोरोना के दैनिक केसों की संख्या लगातार कमी आ रही है। हांलाकि अब भी राज्य में 35 हजार से अधिक सक्रिय मरीज हैं और राज्य में अब तक 9800 से अधिक मरीज कोरोना से जान गंवा चुके हैं। सरकार और प्रशासन लोगों से कोविड नियमों का पालन करने की अपील कर रहा है। लेकिन कुछ लोग अब भी समझने को तैयार हैं। कहीं शादी समारोह तो कहीं बर्थ डे के नाम सरेआम कोविड नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। अहमदाबाद में कुछ युवकों के डांस का वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। रात्रिकालीन कर्फ्यू के दौरान 5 जितने युवक बेरिकेटिंग के आगे कार की रोशनी में डांस कर रहे हैं। कोविड नियमों का उल्लंघन कर जश्न मना रहे इन युवकों में न कोरोना की दहशत है और न ही कानून का खौफ। बेरिकेटिंग के आगे नाच रहे युवक कौन हैं और वीडियो कहां का है? इस बारे में फिलहाल कोई पता नहीं चला।

लेकिन वीडियो सामने आने के बाद कानून से बेखौफ होकर जश्न मनाते युवकों के खिलाफ कार्यवाही की मांग तेज हो गई है।

सार-समाचार

सुमूल डेयरी का पशुपालकों को 227 करोड़ का बोनस देने का ऐलान

सूरत, दक्षिण गुजरात की सुमूल डेयरी के पशुपालकों के लिए खुश खबर है। सुमूल डेयरी ने पशुपालकों को रु 227 करोड़ का बोनस देने की घोषणा की है। इसके अंतर्गत पशुपालकों को प्रति किलो फेट पर रु 86 रुपए बोनस दिया जाएगा। सुमूल डेयरी बोर्ड की आज हुई मासिक बैठक में पशुपालकों के हित में यह बड़ा फैसला किया गया। सुमूल डेयरी के इस फैसले का ढाई लाख पशुपालकों को लाभ मिलेगा। कोरोना महामारी के दौरान दूध की बिक्री कम होने के बावजूद सुमूल डेयरी ने पशुपालकों को प्रति किलो फेट रु 86 का बोनस दिया जाएगा। रु 227 करोड़ बोनस की रकम 4 जून को पशुपालकों के खाते में सीधे जमा करवाई जाएगी। पिछले साल सुमूल डेयरी ने पशुपालकों को प्रति किलो फेट रु 85 और उससे पहले 2019 में प्रति किलो फेट रु 80 बतौर बोनस दिया था।

गुजरात एटीएस ने जुहापुरा के कुख्यात अजहर किटली को भरुच से दबोचा

अहमदाबाद,लूट, फिरौती, हत्या की कोशिश, हत्या समेत पुलिस पार्टी पर हमले के आरोपी अजहर इस्माइल शेख उर्फ अजहर किटली को गुजरात एटीएस ने रविवार की देर रात भरुच से गिरफ्तार कर लिया। गुजरात एटीएस को सूचना मिली थी कि जुहापुरा में तीन साल पहले फायरिंग कर फरार कुख्यात अजहर किटली फिलहाल भरुच हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना के आधार पर गुजरात एटीएस रविवार की दोपहर ही भरुच पहुंच गई और लोकल क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर शाम को अजहर को दबोच लिया। भरुच में पूछताछ के दौरान अजहर ने कुछ समय पहले की लूट की बात कबूल कर ली। हांलाकि लूट के इस मामले की शिकायत ही नहीं दर्ज करवाई गई थी। पुलिस जल्द ही पीड़ित व्यक्तिको समझा बुझाकर लूट की रिपोर्ट दर्ज करवाने का प्रयास करेगी।

लूट, फिरौती, हत्या की कोशिश और हत्या समेत पुलिसकर्मियों पर हमले करने जैसे अनेक मामले अजहर किटली के खिलाफ दर्ज है। अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस में अजहर के खिलाफ लूट का मामला दर्ज है। एक व्यापारी से अजहर ने डेढ़ करोड़ रुपए लूट लिए थे।

इसके अलावा वेजलपुर पुलिस थाने में पुलिसकर्मियों के अलावा क्राइम ब्रांच की टीम पर भी अजहर हमला कर चुका है। गुजरात एटीएस के हत्थे चढ़े अजहर किटली की पूछताछ में कई बड़े खुलासे होने की संभावना है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कोरोना वायरस महामारी के कारण हैती में इस साल बच्चों में कुपोषण के मामले बढ़े

लेस केएस। हैती में इस साल वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों, हिंसा और घटते संसाधनों के कारण अत्यंत गंभीर बाल्यावस्था कुपोषण के दुगुने से अधिक होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की एक रिपोर्ट में लैटिन अमेरिका और कैरिबियन के लिए यूनिसेफ की क्षेत्रीय निदेशक जीन गोह ने बताया कि पांच साल से कम उम्र के 86 हजार से अधिक बच्चे प्रभावित हो सकते हैं, जबकि पिछले साल इस उम्र के 41 हजार बच्चे प्रभावित हुए थे। उन्होंने हैती का एक सप्ताह का दौरा करने के बाद कहा, '' मैं यह देखकर दुखी हूं कि इतने सारे बच्चे कुपोषण से पीड़ित हैं। इनमें से कई ऐसी हालत में हैं, जिन्हें सही समय पर उपचार नहीं मिला तो वे ठीक नहीं हो पाएंगे।'' अत्यंत गंभीर कुपोषण को जानलेवा माना जाता है। हैती में इसकी थोड़ी कम खतरनाक श्रेणी 'गंभीर कुपोषण' के मामलों में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, पिछले वर्ष 1,34,000 की तुलना में इस वर्ष कुछ 2,17,000 बच्चों के इससे पीड़ित होने की आशंका है।

ट्विटर को डिजिटल मीडिया संबंधी नए आईटी नियमों का पालन करना होगा: उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि यदि डिजिटल मीडिया संबंधी नए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों पर रोक नहीं लगाई गई है तो ट्विटर को इनका पालन करना होगा। इस टिप्पणी के साथ ही न्यायमूर्ति रेखा पल्ली ने अधिवक्ता अमित आचार्य की याचिका पर केंद्र और सोशल मीडिया मंच ट्विटर को नोटिस जारी कर उन्हें अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। अमित आचार्य ने अपनी याचिका में दावा किया है कि ट्विटर ने नियमों का पालन नहीं किया है। दूसरी ओर, ट्विटर ने अदालत के समक्ष दावा किया कि उसने नियमों का पालन किया है और एक शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त किया है, लेकिन केंद्र सरकार ने इस दावे को गलत ठहराया। अदालत ने कहा, ''यदि इन (नियमों) पर रोक नहीं लगाई गई है, तो उन्हें इसका पालन करना होगा।'' आचार्य ने वकील आकाश वाजपेयी और मनीष कुमार के जरिए दर्ज कराई गई याचिका में कहा कि जब उन्होंने कुछ ट्वीट के बारे में शिकायत दर्ज करवाने का प्रयास किया, तब उन्हें सरकारी नियमों का अनुपालन कथित रूप से नहीं किए जाने के बारे में पता चला।

जम्मू कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षा बलों ने आईईडी को नष्ट किया, बड़ा हादसा टला

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों द्वारा एक आईईडी का पता लगाकर उसे नष्ट करने से एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने इसके बारे में बताया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम को अवंतिपुरा पुलिस थाना अंतर्गत पंजगाम में रेलवे लिंक रोड के पास एक आईडी का पता चला। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने बिना किसी क्षति के आईईडी को नष्ट कर दिया।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सुरक्षा बलों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़, इनामी महिला नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने एक इनामी महिला नक्सली को मुठभेड़ में मार गिराया है। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने सोमवार को यहां बताया कि जिले के गीदम थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुमालनार गांव के जंगल में सुरक्षा बलों ने एक महिला नक्सली वेको पैक्को (24) को मार गिराया है। पल्लव ने बताया कि गीदम थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना के बाद क्षेत्र में डीआरजी के दल को गश्त पर रवाना किया गया था। दल जब गुमालनार गांव के जंगल में था तब नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि कुछ देर तक दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। बाद में जब सुरक्षा बलों ने घटनास्थल की तलाशी ली तब वहां नक्सली वेको का शव बरामद किया गया

दिल्ली वालों को गर्मी से मिलेगी राहत, आसमान की गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान

नयी दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है। भारत मौसम वैज्ञानिक विभाग (आईएमडी) ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में रविवार शाम धूल भरी आंधी चलने के बाद सोमवार को मौसम में अचानक बदलाव आया और न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उसने बताया कि बारिश के पूर्वानुमान के बावजूद अधिकतम तापामन के 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है।
विभाग के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे हवा में आर्द्रता का स्तर 50 प्रतिशत दर्ज किया गया। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आज सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 106 रहा। एक्यूआई को शून्य और 50 के बीच अच्छा , 51 और 100 के बीच संतोषजनक , 101 और 200 के बीच मध्यम , 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

सन्यास की घोषणा के दो महीने बाद शशिकला ने दिए राजनीति में वापसी के संकेत

चेन्नई।(एजेंसी)।

दो साल पहले अन्नाद्रमुक पर से पकड़ खो चुकीं वी के शशिकला ने अपने समर्थकों से कहा है कि जल्द ही एक अच्छा निर्णय लिया जाएगा। उनकी इस टिप्पणी को पार्टी पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने के प्रयासों और राजनीति में वापसी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। शशिकला ने छह अप्रैल को हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले घोषणा की थी कि वह राजनीति से दूर रहेंगी। अब उन्होंने कहा कि वह पार्टी को अंतर्कलह के कारण बर्बाद होते नहीं देख सकतीं। शशिकला ने अंतर्कलह वाली बात में भले ही प्रत्यक्ष रूप से अन्नाद्रमुक या इसके नेतृत्व के बारे में कुछ न कहा हो, लेकिन इसे पार्टी के दो शीर्ष नेताओं के पलानीस्वामी और ओ पनीरसेल्वम के बीच कथित मतभेद पर की गई टिप्पणी के तौर पर देखा जा रहा है।

तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जे जयललिता की विश्वासपात्र रहीं शशिकला की फोन पर अपने दो वफादार नेताओं से हुई संक्षिप्त बातचीत में यह बात सामने आई है। पहली ऑडियो क्लिप में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, हम निश्चित रूप से पार्टी को सुव्यवस्थित कर लेंगे। मैं आऊंगी। दूसरी ऑडियो क्लिप में वह अन्नाद्रमुक की ओर इशारा करते हुए अपने समर्थक से कहती हैं कि पार्टी नेताओं की कड़ी मेहनत से खड़ी हुई है, जिसमें वह भी शामिल हैं और उन्हें लड़ते हुए देखकर दुख होता है तथा वह इसके चलते मूकदर्शक बनकर पार्टी को बर्बाद होते नहीं देख सकतीं। शशिकला ने कहा कि वह कोरोना वायरस की दूसरी लहर के हल्का पड़ते ही आएंगी और समर्थकों से मिलेंगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही अच्छा निर्णय लिया जाएगा। साल 2017 में आय से अधिक संपत्ति मामले में सजा मिलने के बाद शशिकला को जेल भेज दिया गया था। दो साल पहले उन्हें और उनके भांजे दिनाकरण ने पार्टी पर से अपनी पकड़ खो दी थी। ऐसे में उनके इस बयान को पार्टी पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने के प्रयास के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। शशिकला को इस साल जनवरी में जेल से रिहा किया गया था।

संक्रमण के बीच अपनी मांगों पर अड़े किसान, राकेश टिकैत बोले- सरकार हमारी बात सुने

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने सोमवार को कहा कि अगर बीमारी बड़ी है तो कानून वापस ले लेना चाहिए। आपको बता दें कि केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसान संगठनों ने नवंबर के आखिरी सप्ताह से मोर्चा खोला हुआ है। किसान संगठनों की मांग है कि केंद्र सरकार तीनों कृषि कानूनों को वापस ले और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कानून बनाए। किसानों का यह आंदोलन कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बीच में भी जारी है।

किसान नेता राकेश टिकैत ने समाचार एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कहा कि अगर बीमारी बड़ी है तो कानून वापस ले लेना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि किसान क्यों हैं यहां ? किसान यहां शांति से बैठे हैं, ये जाएंगे नहीं। बातचीत से इसका हल निकालें। हम शांतिपूर्ण तरीके से बैठे हैं सरकार हमारी बात सुने।

इससे पहले किसान नेता ने ट्वीट किया कि कृषि के तीनों काले कानून फांसी का फंदा साबित होंगे किसानों के लिए, जब तक कानून रद्द नहीं होते आंदोलन जारी रहेगा। जबकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि वह कृषि कानूनों में संशोधन करने के लिए तैयार है। केंद्र सरकार और किसान संगठनों के बीच कई दौर की वार्ता हो चुकी है जो अभी तक बेनतीजा रही है।

संक्रमण के बीच आंदोलन जारी

देश कोरोना की दूसरी लहर की मार झेल रहा है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। हालांकि अब संक्रमण के मामलों में धीरे-धीरे कमी आ रही है। लेकिन फिर भी किसान संगठनों का आंदोलन जारी है और उन्होंने साफ किया है कि जब तक बिल वापस नहीं होगा वो लोग घर नहीं जाएंगे।

कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण ने की नितिन गडकरी की तारीफ, कहा- गलत पार्टी में सही व्यक्ति

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

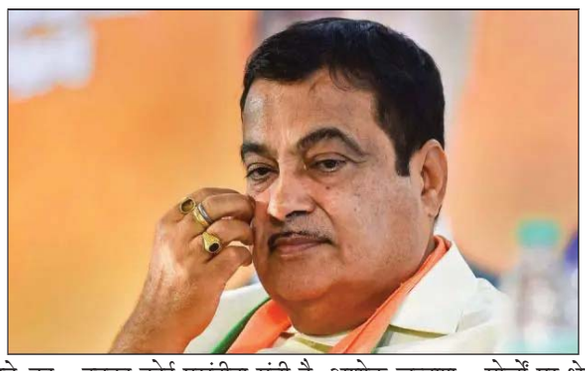

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के कद्दावर नेता अपने काम को लेकर सदैव सुर्खियों में रहते हैं। उनकी तारीफ विपक्षी दलों के नेता भी करते रहते हैं। इस बीच महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने भी उनकी सराहना की है। रविवार को उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार पर कोविड-19 महामारी से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाया। हालांकि उन्होंने नितिन गडकरी को अपना पसंदीदा मंत्री भी बताया।

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दो साल पूरे करने और कुल मिलाकर सात साल पूरे करने पर एक वर्चुअल प्रेस मीट को संबोधित करते हुए, अशोक चव्हाण ने कहा कि केंद्र ने सभी निर्णय लेने की शक्तियां अपने हाथों में रख ली हैं, लेकिन अब कोविड-19 के प्रकोप के बाद राज्य सरकारों पर दोष मढ़ रही है।

यह पूछे जाने पर कि क्या मोदी सरकार में उनका कोई पसंदीदा मंत्री है, अशोक चव्हाण ने कहा कि केंद्रीय मंत्री और नागपुर के सांसद नितिन गडकरी के बारे में 'अच्छे शब्द' बोले जा सकते हैं। वे वैचारिक मतभेदों के बावजूद अन्य दलों के साथ संवाद बनाए रखते हैं। चव्हाण ने कहा, 'वह गलत पार्टी में सही व्यक्ति हैं। उनका महाराष्ट्र के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है, लेकिन उनकी शक्तियों को लगातार कम किया जा रहा है।' हालांकि उन्होंने अपने दावे के बारे में विस्तार से नहीं बताया।

महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व प्रमुख ने कहा, 'पेट्रोल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई थी। करीब 12.21 करोड़ लोगों ने अपनी नौकरी खो दी है। बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय अब भारत की तुलना में अधिक है। केंद्र की नीतियों ने देश को तबाह कर दिया है।' चव्हाण ने आरोप लगाया कि केंद्र का महाराष्ट्र के प्रति सहायता और जीएसटी मुआवजे सहित सभी मोर्चों पर भेदभावपूर्ण रवैया है।

उन्होंने मराठा आरक्षण के मुद्दे पर भी भाजपा पर हमला किया। उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ दल को एक समाधान के साथ आने के लिए कहा। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 5 मई को समुदाय को नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण देने वाले राज्य के कानून को रद्द कर दिया। उन्होंने मराठा आरक्षण के मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए सभी दलों के नेताओं से मिलने की कोशिश करने के लिए भाजपा के राज्यसभा सांसद संभाजी छत्रपति को बधाई दी।

जम्मू कश्मीर में टीकाकरण पर महबूबा मुफ्ती ने उठाए सवाल, कहा- प्रशासन के प्रक्रिया पर ध्यान देने की जरुरत

श्रीनगर।(एजेंसी)।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन से कहा कि वह टीकाकरण तेजी से करने पर अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करे क्योंकि लॉकडाउन और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) कोविड के खिलाफ केवल एहतियाती उपाय हैं। वह पार्टी पदाधिकारियों की आनलाइन बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। मुफ्ती ने कहा, 'लॉकडाउन और अन्य एसओपी एहतियाती उपाय हैं।

प्रशासन को त्वरित टीकाकरण कार्यक्रम पर अपने प्रयासों को केंद्रित करना चाहिए जो एकमात्र स्थायी समाधान है। हम निरंतर लॉकडाउन में नहीं रह सकते हैं, मौतों और बार-आर लॉकडाउन रोकने के लिए सामूहिक टीकाकरण ही एकमात्र रास्ता है।'' महामारी के दौरान जान गंवाने वालों की याद में इस दौरान कुछ पल का मौन भी रखा गया। उन्होंने कहा कि व्यापारियों, औद्योगिक इकाइयों, परिवहन क्षेत्र, आतिथ्य एवं सेवा उद्योग, बागवानी क्षेत्र, मध्यम वर्ग और समाज के निम्न वर्गों को असहनीय वित्तीय पीड़ा से गुजरना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से सभी हितधारकों और स्वास्थ्य क्षेत्र के तकनीकी विशेषज्ञों के समन्वय से एक योजना तैयार करने का आग्रह किया जिससे पाबंदियों में धीरे-धीरे ढील देने की एक रूपरेखा तैयार की जा सके और इन क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके। पीडीपी प्रमुख ने संकट को कम करने में अथक प्रयासों के लिए डॉक्टरों, स्वास्थ्य पेशेवरों, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, गैर सरकारी संगठनों और पूरे समाज के प्रयासों की सराहना की।

ममता बनर्जी ने पीएम नरेंद्र मोदी को लिखा पत्र, मुय सचिव अलपन बंद्योपाध्याय को नहीं किया रिलीव

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य के मुख्य सचिव को दिल्ली बुलाने के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया। ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य के मुख्य सचिव अलपन बंद्योपाध्याय को वापस बुलाने के केंद्र सरकार के फैसले को खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार उन्हें रिहा नहीं कर रही है। बंगाल सरकार उन्हें रिलीव नहीं कर रही है। लिहाजा चीफ सेक्रेट्री के दिल्ली पहुंचने की संभावना कम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में, ममता बनर्जी ने अलपन बंद्योपाध्याय को वापस बुलाने के केंद्र के फैसले को 'असंवैधानिक' और 'अवैध' बताया और केंद्र सरकार से अपना आदेश वापस लेने की अपील की।

ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल कोरोनोवायरस महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है और चक्रवात यास से और अधिक तबाह हो गया है और इस मुश्किल समय में राज्य सरकार अपने मुख्य सचिव अलपन बंद्योपाध्याय] को रिहा नहीं कर सकती है और न ही कर रही है।÷

ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र ने राज्य में महामारी से लड़ने के लिए बंगाल के मुख्य सचिव के कार्यकाल को तीन महीने के लिए बढ़ाने के राज्य सरकार के अनुरोध पर सहमति व्यक्त की थी और अलपन बंद्योपाध्याय को वापस बुलाने का नवीनतम आदेश 'लागू कानूनों का उल्लंघन और जनहित के खिलाफ था।'.

पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव अलपन बंद्योपाध्याय के सोमवार को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को रिपोर्ट करने की संभावना कम है क्योंकि राज्य सरकार से अभी उन्हें मंजूरी नहीं मिली है। यह जानकारी एक उच्च पदस्थ सूत्र ने दी। सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पहले ही उनके अचानक स्थानांतरण से बड़ा विवाद पैदा हो गया है। सूत्र ने बताया कि रविवार को राज्य सचिवालय 'नबान्न' में ही बंद्योपाध्याय मौजूद थे। सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'अभी तक बंद्योपाध्याय को पश्चिम बंगाल सरकार ने ड्यूटी से मुक्त नहीं किया है...कल के कार्यक्रम के मुताबिक अपराह्न तीन बजे मुख्यमंत्री

द्वारा आहूत समीक्षा बैठक में वह हिस्सा ले सकते हैं।' केंद्र ने शुक्रवार की रात अचानक बंद्योपाध्याय की सेवाएं मांगीं और राज्य सरकार से कहा कि शीर्ष नौकरशाह को तुरंत वहां से मुक्त किया जाए। बंद्योपाध्याय 60 वर्ष की उम्र पूरा करने के बाद 31 मई को सेवानिवृत्त होने वाले थे। बहरहाल, कोविड-19 के प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए उन्हें तीन महीने का सेवा विस्तार दिया गया था।

भारत में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में आयी कमी! एक दिन में 1.52 लाख नये मामले, 3128 मौतें

मुंबई (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार भारत ने सोमवार को 1.52 लाख नए कोविड मामले दर्ज किए पिछले 52 दिनों में कोरोना वायरस के ये सबसे कम मामले सामने आये हैं। पिछले 24 घंटों में, देश के संक्रमण केसलोएड को 2.80 करोड़ तक पहुंचा दिया। कोविड की मृत्यु का आंकड़ा 3,29,100 हो गया है । सोमवार को 3,128 कोविड रोगियों ने घातक संक्रमण के कारण दम तोड़ा है। अब तक, 2,56,92,342 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में 20,26,092 सक्रिय मामले हैं। शीर्ष पांच राज्यों ने दैनिक संक्रमण में सबसे अधिक कोविड मामलों में योगदान दिया है, तमिलनाडु में 28,864 मामले हैं, इसके बाद कर्नाटक में 20,378 मामले, केरल में 19,894 मामले, महाराष्ट्र में 18,600 मामले और आंध्र प्रदेश में 13,400 मामले हैं। 1.52 लाख कोविड मामलों में से 66.22 प्रतिशत इन पांच राज्यों से सामने आए। तमिलनाडु ने नए कोविड मामलों में 18.9 प्रतिशत जोड़ा। सबसे अधिक मौतें महाराष्ट्र (814) में हुईं, इसके बाद तमिलनाडु में 493 दैनिक मौतें हुईं।

उत्तर प्रदेश को लेकर भाजपा में बढ़ी बेचैनी, कई अहम बदलाव के मिल रहे संकेत

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

राजनीति में एक कहावत है। जिस दल ने यूपी और बिहार में अपना दबदबा कायम किया तो दिल्ली में उसी की सरकार बनती है। वर्तमान में देखें तो दोनों ही राज्यों में भाजपा या फिर एनडीए की सरकार है। अगले साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। केंद्र में अपनी मजबूती और सबसे बड़े राज्य में अपनी ताकत को बनाए रखने के लिए भाजपा पूरी तरह से राज्य में सक्रिय हो गई है। उत्तर प्रदेश को लेकर पार्टी के अंदर बेचैनी भी बढ़ रही है। सूत्रों का दावा है कि प्रदेश में एंटी इनकंबेंसी को कम करने के लिए पार्टी कई तरह के बदलाव पर विचार कर रही है। जिस तरह से राजनीतिक गलियारों में उत्तर प्रदेश को लेकर चर्चा गर्म है, उससे तो इसी बात का अंदाजा लगता है कि पार्टी राज्य में बड़े बदलाव की ओर बढ़ रही है। पार्टी की ओर से राज्य में कुछ नेताओं की सक्रियता बढ़ा दी गई है। सरकार और पार्टी के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया जा रहा है। लेकिन सवाल यह है कि उत्तर प्रदेश में मजबूत सरकार होने के बावजूद पार्टी में ऐसी स्थिति क्यों आई है?

कोरोना काल की अव्यवस्था

पूरे देश के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में भी कोरोना वायरस लगातार चरम पर था। लेकिन जिस तरह से देश की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाले राज्य से खबर आ रही थी, वाकई वह सभी में बेचैनी पैदा कर रही थी। कोरोना की डराने वाली ज्यादातर खबरें उत्तर प्रदेश की ही रहीं। कोरोना की पहली लहर में उत्तर प्रदेश में जितना सब कुछ व्यवस्थित नजर आ रहा था, दूसरी लहर में वह चीज देखने को नहीं मिली। स्थिति ऐसी बनी कि मंत्री, विधायक और सांसदों की भी सुनवाई नहीं हो रही थी। लखनऊ, वाराणसी, इलाहाबाद, कानपुर से जो तस्वीरें आई वह वाकई हैरान करने वाली थी। हालांकि, सरकार के कुछ अच्छे कदमों की वजह से फिलहाल उत्तर प्रदेश में कोरोना पर कंट्रोल कर लिया गया है। लेकिन कहीं ना कहीं सरकार की छवि को काफी नुकसान पहुंचा है। भाजपा को यह लगने लगा है कि प्रदेश सरकार को लेकर जो धारणा एक बार राज्य में बन गई है वह अब बदल नहीं सकती है। लोगों के जेहन में अव्यवस्था हावी ना हो पाए इसलिए कई तरह के बदलाव को अपनाया जा रहा है।

जातीय समीकरण

उत्तर प्रदेश में चुनाव हो और जाति आधारित राजनीति ना हो ऐसा हो नहीं सकता। विपक्ष की सक्रियता को देखते हुए भाजपा अब जातिगत समीकरणों पर ध्यान देने लगी है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग दोनों ही निर्णायक भूमिका में है। यही कारण है कि भाजपा ने भी कल्याण सिंह के चेहरे को आगे कर सत्ता हासिल करने में कामयाबी पाई थी। कल्याण सिंह अति पिछड़ा समाज से आते हैं। इसी समाज को गोलबंद करने के लिए भाजपा ने केशव प्रसाद मौर्य को प्रदेश अध्यक्ष बनाया था और इसका नतीजा देखने को भी मिला। उन्हें सीएम उम्मीदवार तो नहीं बनाया गया लेकिन जिस तरह से इस समुदाय का वोट भाजपा को मिला उससे इस बात का तो अंदाजा लग ही गया कि कहीं ना कहीं केशव प्रसाद मौर्य इसके सबसे बड़े कारण रहे। केशव मौर्य को डिप्टी सीएम की जिम्मेदारी दी गई। अब विपक्ष राज्य में अति पिछड़ा वर्ग के बीच उनकी उपेक्षा के मुद्दे को हवा दे रहा है। यही कारण है कि अब भाजपा एक बार फिर से केशव मौर्य को आगे करने की तैयारी में है।

सीएम चेहरा

उत्तर प्रदेश में देखा जाए तो योगी आदित्यनाथ के रूप में भाजपा को मुख्यमंत्री का मजबूत चेहरा हासिल है। लेकिन योगी आदित्यनाथ की स्वीकार्यता कितनी है यह अब भी सवालों में है। कई पार्टी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि राज में अफसरशाही हावी हो गया है। यह भी कहा जाता है कि योगी बाकी नेताओं की उपेक्षा करते हैं। ऐसे में भाजपा के लिए बड़ा सवाल यह हो जाता है कि चुनाव में जाने से पहले सीएम चेहरा दे या नहीं दे। जिस तरह हमने असम में देखा कि भाजपा ने सीएम का कोई चेहरा नहीं दिया था। चुनाव बाद उत्पन्न परिस्थितियों का जायजा लेने के बाद हेमंत बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री बना दिया। अगर उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नाम पर भाजपा चुनाव नहीं लड़ती है तो कहीं ना कहीं एंटी इनकंबेंसी को कम करने में पार्टी कामयाबी हासिल कर सकती है। इसके अलावा जो नेता सीएम बनने की रेस में है या सीएम बनने की चाहत रखते हैं वह मिलकर चुनाव में आगे रहेंगे, अपनी सक्रियता दिखाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)